अरविंद केजरीवाल के PA बिभव कुमार की बढ़ी मुश्किलें, स्वाति मालीवाल से बदसलूकी मामले में दिल्ली पुलिस ने दर्ज की FIR

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः29 अंकः155 दिनांकः 17-05-2024 शुक्रवार मूल्यः1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को तीसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनने का दावा करते हुए कहा कि पूरा देश कह रहा है कि इस सरकार (भाजपा-राजग) का तीसरा कार्यकाल और दमदार होगा।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने गर्मी को लेकर जारी किया अलर्ट-

भारत में हीटवेव की वजह से हर साल औसतन 31,748 मौतें हो रही

उत्तर-पश्चिम भारत चलेगी जानलेवा लू

-हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली के लिए ऑरेंज अलर्ट , वहीं पूर्वी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मप्र, बिहार, गुजरात, झारखंड और ओडिशा के लिए येलो अलर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के अधिकांश राज्यों में इस समय सूरज आग उगल रहा है। बिहार, झारखंड समेत उत्तर पश्चिम भारत के कई राज्य आसमान से आग बरसती आग और लू से झुलस रहे हैं। इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गर्मी और लू को लेकर अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने गुरुवार को कहा कि अगले पांच दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम भारत में लू चलने की आशंका है। वहीं, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली पर इसका सबसे अधिक प्रभाव देखने को मिलेगा। साथ ही मौसम विभाग ने यह भी कहा है कि 18 मई से पूर्वी और मध्य भारत में भी गर्मी का नया दौर शुरू हो जाएगा।

गर्मियों की शुरूआत के साथ ही देश में लू का कहर धीरे-धीरे चरम पर पहुंच रहा है। भीषण गर्मी और लू (हीटवेव) बढ़ते तापमान और बदलती जलवायु के साथ पहले से कहीं ज्यादा विकराल रूप लेती जा रही है। लू किस कदर घातक हो सकती है इसका खुलासा मोनाश विश्विद्यालय ने अपनी एक नई रिसर्च में किया है, जिसके मुताबिक लू और गर्म हवाएं दुनिया भर में हर साल होने वाली 153,078 मौतों के लिए जिम्मेवार है। इससे ज्यादा परेशान करने वाला क्या हो सकता है कि इनमें से हर पांचवी मौत भारत में हो रही है। यदि आंकड़ों की मानें तो भारत में लू की वजह से हर साल औसतन 31,748 मौतें हो रही हैं। ऐसे में बढ़ती गर्मी और लू से बचाव के लिए कहीं ज्यादा संजीदा रहने की जरूरत है।

दिल्ली में पारा बढकर हो जाएगा 45 डिग्री

भारतीय मौसम विभाग ने बढ़ती गर्मी की स्थिति को देखते हुए हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और दिल्ली के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, पूर्वी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, गुजरात, झारखंड, गंगीय पश्चिम बंगाल और ओडिशा के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी ने कहा है कि पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में 17 से 20 मई और पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में 18 से 20 मई के दौरान गंभीर लू चलने की संभावना है। इसके अलावा विभाग ने यह भी कहा कि राजधानी दिल्ली में शनिवार तक तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

सामान्य से अधिक रही हीटवेव के दिनों की संख्या

इससे पहले मौसम विभाग ने मई में देश के उत्तरी मैदानी इलाकों और मध्य भारत में लू और गर्मी के दिनों की सामान्य से अधिक संख्या की भविष्यवाणी की थी। मौसम विभाग के मुताबिक, अप्रैल में पूर्व, उत्तर-पूर्व और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में रिकॉर्ड तोड़ अधिकतम तापमान देखा गया। इसके कारण स्कूलों को बंद करने का निर्देश जारी किया गया था। इतना ही नहीं, कई स्थानों पर अप्रैल का अब तक का सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया। लू की चरम स्थिति के कारण कुछ मौतें भी दर्ज की गईं हैं। जिसमें केरल के भी दो लोग शामिल हैं। हाल ही में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बताया था कि अप्रैल के महीने में 5 से 7 और फिर 15 से 30 तारीख के बीच दो दौर में लू चली। औसत अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। महापात्र ने कहा कि पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में अप्रैल के महीने में औसत न्यूनतम तापमान 28.12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 1901 से दर्ज किए जा रहे तापमान में यह पहला मौका था कि इन क्षेत्रों में अप्रैल में इतना अधिक न्यूनतम तापमान रहा। उन्होंने यह भी बताया था कि 1980 के दशक के बाद से दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान आम हो गया है। उन्होंने यह भी कहा था कि अप्रैल में पूर्व, पूर्वोत्तर और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में लंबे समय तक गर्मी और लू चलने की मुख्य वजह गरज के साथ होने वाली बारिश में कमी रही। पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी और भारत के निकटवर्ती पूर्वी तटों पर निचले स्तर पर बने चवात रोधी परिस्थितियों की वजह से कम बारिश हुई।

लू से होने वाली मौतों में भारत दुनिया में शीर्ष पर

गौरतलब है कि लू से होने वाली इन अतिरिक्त मौतों के मामले में भारत दुनिया में शीर्ष पर है। आंकड़ों से पता चला है कि दुनिया में सालाना लू से होने वाली डेढ़ लाख अतिरिक्त मौतों में से करीब 20.7 फीसदी भारत में हो रही हैं। वहीं 13.8 फीसदी के साथ चीन दूसरे, जबकि 7.89 फीसदी मौतों के साथ रूस तीसरे स्थान पर है। वहीं यदि क्षेत्रीय तौर पर देखें तो दुनिया में लू की वजह से होने वाली इन अतिरिक्त मौतों में से करीब 49 फीसदी एशिया में दर्ज की गई। वहीं इनमें से करीब 31.6 फीसदी यूरोप, 13.8 फीसदी अफ्रीका में दर्ज की गई। वहीं यदि अमेरिका की बात करें तो यह आंकड़ा 5.4 फीसदी जबकि ओशिनिया में सबसे कम 0.28 फीसदी दर्ज किया गया।

बढ़ते तापमान पर नहीं लगाम

आंकड़ों की मानें तो 1990 से 2019 के बीच पिछले तीन दशकों में गर्म मौसम के दौरान होने वाली सभी मौतों में से करीब एक फीसदी के पीछे की वजह लू रही। मतलब की हर एक करोड़ की आबादी पर 236 मौतों के लिए लू जिम्मेवार रही। इस दौरान यूरोप में जितनी मौतें हुए हैं उनमें लू की हिस्सेदारी करीब 1.96 फीसदी रही। मतलब की तीन दशकों में यूरोप में हर एक करोड़ लोगों पर 655 की मौत की वजह लू रही। जो स्पष्ट तौर पर दर्शाता है कि लू यूरोप के लिए कितना बड़ा खतरा है।

उत्तराखंड सरकार ने चारधाम यात्रा को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए

देहरादून (ईएमएस)। उत्तराखंड सरकार ने चारधाम यात्रा को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

चारधाम यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को बिना रजिस्ट्रेशन के उत्तराखंड नहीं आने की अपील की गई है। बिना रजिस्ट्रेशन वाले यात्रियों को ले जाने पर वाहनों के परमिट सीधे निरस्त होंगे। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन जिन लोगों ने करवाया है। वह समय से पहले ही यात्रा करने पहुंच जा रहे हैं। ऐसे में बिना रजिस्ट्रेशन की बसों और गाड़ियों को तत्काल वापस भेजा जाएगा। चारधाम यात्रा को लेकर जारी नए दिशा -निर्देशों के अनुसार अब मंदिर परिसर के 200 मीटर के दायरे में मोबाइल फोन को बैन किया गया है। हरिद्वार और ऋषिकेश सेंटर में ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक किए जा रहे थे, हरिद्वार में ऋषि कुल ग्राउंड में निशुल्क रजिस्ट्रेशन सेंटर बनाया गया है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन लिए उत्तराखंड सरकार की अधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।

चारधाम यात्रा के दौरान रील बनाने को लेकर सख्त निर्देश जारी किया गया है। अधिकारियों ने लोगों से रील नहीं बनाने की अपील की है। चारधाम यात्रा के सभी ठहराव स्थलों पर यात्रियों के लिए भोजन, पानी, शौचालय की व्यवस्था उपलब्ध है। अगर कोई अफवाह फैलाता है तो इसके खिलाफ कार्रवाई होगी। यमुनोत्री हो या फिर गंगोत्री हर जगह ट्रैफिक जाम है। इस ट्रैफिक जाम में घंटों तक यात्री फंसे हुए हैं। यात्रियों की बढ़ती तादाद को देखते हुए यमुनोत्री में गेट सिस्टम लागू कर दिया है।

बीजिंग और वाशिंगटन के बीच बढ़ते व्यापार युद्ध के कारण भारत में माल की डंपिंग का खतरा

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका ने चीन के सामानों पर नया प्रतिबंध लगा दिया है। इसलिए बीजिंग और वाशिंगटन के बीच बढ़ते व्यापार युद्ध के कारण घरेलू बाजार में माल की डंपिंग के खतरे से इनकार नहीं किया जा सकता है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने कहा कि उद्योग और सरकार को चीन से आयात पर कड़ी नजर रखनी चाहिए और यदि वृद्धि या डंपिंग होती है, तो डाइरेक्टोरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज को व्यवसायों की सुरक्षा के लिए उचित कार्रवाई करनी चाहिए। डीजीटीआर (व्यापार उपचार महानिदेशालय) वाणिज्य मंत्रालय की एक जांच शाखा है, जो एंटी-डंपिंग शुल्क, सुरक्षा शुल्क और काउंटरवेलिंग शुल्क से संबंधित जांच करती है। ये विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के एक समझौते के तहत सदस्य देशों को प्रदान किए जाते हैं। अश्विनी कुमार ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से कहा, चीन कई क्षेत्रों में जरूरत से ज्यादा क्षमता पर बैठा है और ऐसे में किसी भी मामले में डंपिंग के खतरे से इनकार नहीं किया जा सकता है। खासकर तब जब उनके निर्यात के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बंद हो। हालांकि, कुमार ने कहा कि यह भारत और अन्य प्रतिस्पर्धियों को आपूर्ति अंतर को पाटने का अवसर भी प्रदान करता है। चीन पर अतिरिक्त शुल्क से प्रभावित उत्पादों में से भारत के पास फेसमास्क, पीपीई, सीरिंज, सुई, चिकित्सा दस्ताने, एल्यूमीनियम और लोहा और इस्पात में अवसर हैं। उन्होंने कहा, चीन में भी अमेरिकी निर्यात पर जवाबी कार्रवाई से भारत के लिए मौका हाथ लग सकता है। बशर्ते चीन द्वारा लक्षित उत्पादों में हमारी बाजार पहुंच हो।

मणिपुर में 6 दिन में 13 लोगों का किडनैप

इनमें 4 पुलिस और एक सीआरपीएफ का जवान

नई दिल्ली (ईएमएस)। मणिपुर सुरक्षा अधिकारियों ने बताया है कि राज्य में 8 से 13 मई के बीच करीब 13 लोगों को किडनैप किया गया है। इनमें 4 पुलिसकर्मी और एक सीआरपीएफ का जवान भी शामिल है। बाकी स्थानीय लोग हैं।

सुरक्षा अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि अगवा किए गए लोगों की वास्तविक संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है, क्योंकि ज्यादातर परिवार गायब हुए लोगों की पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराते हैं। मणिपुर पुलिस ने किडनैपिंग की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए 10 लोगों को अरेस्ट किया है। इसमें मैतेई मिलिशिया ग्रुप अरामबाई तेंगगोल के दो मेंबर भी हैं। जिन पर पूर्वी इंफाल के कांगपोकपी जिले से चार पुलिसकर्मियों को अगवा करने के आरोप हैं।

एक सुरक्षा अधिकारी के मुताबिक अगवा किए गए चारों पुलिसकर्मी न तो मैतेई थे न ही कुकी। ये चारों लोग कुकी साथी पुलिसकर्मी के घर से कुछ सामान इकत्र करने गए थे। सुरक्षा अधिकारी ने बताया इस घर को कुकी पुलिसकर्मी पिछले साल दंगों के दौरान छोड़कर भाग गया था। अरामबाई तेंगगोल के सदस्यों ने पुलिसकर्मियों के आने की सूचना मिलते ही उन्हें अगवा कर लिया। जिसके बाद इन्हें टॉर्चर किया गया और उनकी तस्वीरें लेकर वाट्सएप ग्रुप में वायरल की गईं।

सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल के बयान पर कार्रवाई करने से किया इंकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के बयान पर कोई कार्रवाई करने से इंकार कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर आम आदमी पार्टी को वोट दिया गया तो उन्हें दोबारा जेल नहीं जाना पड़ेगा। मालूम हो कि, सुप्रीम कोर्ट गुरुवार (16 मई) को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था। पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए अरविंद केजरीवाल को 1 जून तक अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था। लाइव लॉ के मुताबिक, जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ के सामने ईडी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अरविंद केजरीवाल के बयान का जिक्र किया। सॉलिसिटर जनरल ने कहा, वह कहते हैं कि अगर लोग आप को वोट देंगे तो उन्हें 2 जून को जेल नहीं जाना पड़ेगा। वह ऐसा कैसे कह सकते हैं। यह याचिकाकर्ता की ओर से सिस्टम पर तमाचा है। कृपया यह देखें कि उन्होंने पहले दिन क्या कहा था, आपने कहा था कि वह मामले के बारे में नहीं कहेंगे।

- जस्टिस खन्ना ने क्या कहा

जस्टिस खन्ना ने इस पर कहा, हमने ऐसा नहीं कहा, बल्कि यह कहा था कि वह मामले में अपनी भूमिका पर चर्चा नहीं करेंगे। हालांकि, सॉलिसिटर जनरल ने एक बार फिर केजरीवाल के जेल जाने वाले बयान का जिक्र किया। जस्टिस खन्ना ने कहा कि यह उनकी (केजरीवाल) धारणा है, हम नहीं जानते। हमने जो महसूस किया वह उचित था और हमारा आदेश बहुत स्पष्ट था। हम इसमें नहीं पड़ेंगे।

- केजरीवाल को जमानत

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मार्च में गिरफ्तार किया गया था। उनकी गिरफ्तारी दिल्ली शराब नीति मामले में हुई थी। हालांकि, उन्होंने अपनी गिरफ्तारी को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी, लेकिन उन्हें वहां से कोई राहत नहीं मिली। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अंतरिम जमानत दे दी।

मप्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

पीएफआई मामले में 10 हफ्ते के अंदर मांगा जवाब

भोपाल(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश सरकार को पीएफआई मामले में नोटिस जारी किया है। 19 सदस्यों की गिरफ्तारी के मामले में एमपी गवर्नमेंट को 10 हफ्ते के अंदर जवाब मांगा है। एसएलपी की सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय ने सरकार को तलब किया है। पीएफआई के सदस्यों की तरफ से स्ष्ट में स्पेशल लीव एप्लीकेशन लगाई गई थी।

2021 में आतंक विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के चलते एटीएस ने गिरफ्तार किया था। इस मामले की जांच करते हुए एटीएस ने पांच हजार पन्नों का चालान पेश किया था। हाईकोर्ट जमानत याचिका को पहले भी खारिज कर चुका है। आपको बता दें कि डेढ़ साल पहले इन आरोपियों की गिरफ्तारी हुई थी। जब देशभर में पीएफआई पर बैन लगाया गया था। इसके बाद गिरफ्तार किये गए पीएफआई सदस्यों ने जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उच्च न्यायालय से जमानत याचिका खारिज होने के बाद आरोपियों के वकील ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और जमानत के लिए स्पेशल लीव एप्लीकेशन लगाई है। इन सभी पर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है।

केदारनाथ धाम में अब नहीं बजा सकेंगे ढोल, नगाड़े

-शोरगुल पर भड़के तीर्थ पुरोहित बोले-केदारसभा की अनुमति जरुरी

देहरादून,(ईएमएस)। केदारनाथ धाम में बिना अनुमति के ढोल-नगाड़े बजाना युवकों पर भारी पड़ गया। वहां के तीर्थपुरोहित ने इन युवाओं की जमकर क्लास ली और फटकार लगाई और दोबारा ढोल न बजाने की चेतावनी भी दी। तीर्थपुरोहित ने यहां तक कह दिया कि डीएम की अनुमति होने के बाद भी केदारसभा की अनुमति लेनी जरूरी होगा।

केदारनाथ धाम के कपाट खुलते ही राज्यों के कलाकार ढोल-नगाड़ों के साथ वहां पहुंचे गए । पहले महाराष्ट्र के कलाकारों ने ढोल, नगाड़ों के साथ नृत्य किया। केदारधाम में रोज ही युवा ढोल-नगाड़े बज रहे हैं जिससे काफी शोरगुल हो रहा था। धाम में ढोल नगाड़े बजने का सोशल मीडिया में जब वीडियो वायरल हुआ तो कई लोगों ने इस तरह की मस्ती और शोरगुल का विरोध किया। इसके बाद युवाओं के ढोल नगाड़े बजाने और वीडियो बनाने पर तीर्थ पुरोहित अंकित सेमवाल भड़क गए और उन्होंने इन युवाओं को जमकर फटकार लगाई। यहां तक कि उन्होंने ढोल छीन कर फेंक दिया।

सेमवाल का कहना था कि ढोल ना बजाया जाए। यहां केवल मंदिर का ढोल बजेगा। इसके अलावा कोई शोरगुल नहीं होना चाहिए। उन्होंने इन युवाओं से यह भी सवाल किया कि यहां ढोल नगाड़े बजने की अनुमति उनके पास है या नहीं यदि अनुमति है तो दिखाएं। हालांकि यह लोग

पीएम मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए किसान पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

वाराणसी (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी लोकसभा सीट पर चुनावी मैदान में उतरने वालों की तादाद काफी बढ़ी है। पीएम नरेंद्र मोदी के सामने दावेदारी पेश करने की कामना लिए देश भर से प्रत्याशी वाराणसी पहुंच रहे है। नामांकन फार्म हासिल करने के लिए बड़ी संख्या लोगों की भीड़ दिख रही है। नामांकन फार्म दाखिल करने की अंतिम तिथि से एक दिन पहले यानी 13 मई को 100 से अधिक लोग लाइन में थे। वे लोग नामांकन फॉर्म लेने की कोशिश करते दिखाई दिए। राजस्थान से पहुंचे मशहूर कॉमेडियन श्याम रंगीला ने भी पीएम मोदी को चुनौती दी। हालांकि, उनका नामांकन स्क्रूटनी में खारिज हो गया। वहीं, तमिलनाडु के एक किसान नामांकन फार्म दाखिल करने के लिए समय बढ़ाने की याचिका लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका को प्रचार हित याचिका करार देकर खारिज कर दी।

जस्टिस विक्रमनाथ और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने सवाल किया कि आप याचिका को वापस लेना चाहते हैं? हम आपको याचिका वापस लेने की अनुमति दे सकते हैं। अगर आप चाहते हैं कि हम याचिका खारिज कर दें तब हम खारिज कर सकते हैं। पीठ ने कहा कि यह सभी प्रचार हित याचिकाएं हैं। तमिलनाडु के त्रिची निवासी और नेशनल साउथ इंडियन रिवर इंटरलिंकिंग एग्रीकल्चरिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष पी. अय्याकन्नू के वकील एस. महेंद्रन की ओर से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। उन्होंने दावा किया कि अय्याकन्नू को रेलवे सुरक्षा कर्मियों ने वाराणसी जाने की ट्रेन से 10 मई को उतार दिया था। वकील के अनुसार, ट्रेन से उतारे जाने के कारण वे लोकसभा चुनाव का नामांकन दाखिल नहीं कर पाए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से मांग की थी कि नामांकन का समय बढ़ाया जाए, ताकि अय्याकन्नू अपना नामांकन दाखिल कर पाएं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया।

मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

मामला कोर्ट में हो, आरोपी समन पर पेश हुआ तो ईडी अरेस्ट नहीं कर सकती

नई दिल्ली(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि अगर स्पेशल कोर्ट में मनी लॉन्ड्रिंग का केस पहुंच गया है, तो प्रवर्तन निदेशालय आरोपी को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के सेक्शन 19 के तहत गिरफ्तार नहीं कर सकती। जस्टिस अभय ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने यह आदेश पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के उस फैसले पर दिया है, जिसमें हाईकोर्ट ने आरोपियों की प्री-अरेस्ट बेल याचिका खारिज कर दी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने इस साल जनवरी में आरोपियों को अंतरिम जमानत दी थी। यह केस जमीन घोटाले से जुड़ा है, जिसमें कुछ रेवेन्यू अफसरों को मनी लॉन्ड्रिंग के तहत आरोपी बनाया गया था। बेंच ने कहा कि अदालत के समन के बाद अगर आरोपी पेश हुआ है तो यह नहीं माना जा सकता कि वो गिरफ्तार है। एजेंसी को संबंधित अदालत में कस्टडी के लिए अप्लाय करना होगा।

डेटा सेंटर के मामले में ऑस्ट्रेलिया, हॉन्गकॉन्ग, जापान, को पछाड़ भारत बना बादशाह

950 मेगावाट के डेटा सेंटर वाला देश बना

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में बेशक इंटरनेट क्रांति विकसित देशों के मुकाबले थोड़ा बाद में आई, लेकिन आज एशिया के देशों में भारत की तूती बोल रही है। भारत ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया, हॉन्गकॉन्ग एसएआर, जापान, सिंगापुर और कोरिया जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया है। भारत बड़े आपेक देशों में (चीन को छोड़कर) 950 मेगावाट के डेटा सेंटर क्षमता वाला देश बन गया है। यह जानकारी सीबीआरई साउथ एशिया प्राइवेट लिमिटेड की रिपोर्ट से मिली है। भारत के बाद जापान दूसरा सबसे बड़ा डेटा सेंटर है, उसकी क्षमता 892 मेगावाट है। जापान के बाद ऑस्ट्रेलिया 773 मेगावाट, फिर सिंगापुर 718 मेगावाट, हॉन्गकॉन्ग 613 मेगावाट और फिर कोरिया 531 मेगावाट की क्षमता वाला देश है।

तेजी से बदलती तकनीक की दुनिया के लिए डेटा सेंटर सबसे अहम हैं। कई बड़ी-बड़ी कंपनियां भारत में अपना डेटा सेंटर स्थापित कर चुकी हैं या करना चाहती हैं। इसकारण भारत में डेटा सेंटर (डीसी) इंडस्ट्री ने काफी अच्छी ग्रोथ की है। जब कोविड महामारी की शुरुआत हुई थी, तभी भारत ने अपनी क्षमता को दोगुना कर लिया था। 2023 में 255 मेगावाट की क्षमता का इजाफा किया। 2022 में भी 200 मेगावाट की क्षमता वाला डेटा सेंटर लगाया गया था। 2024 में भी लगातार डेटा सेंटर में क्षमताओं का विस्तार किया जा रहा है। प्लान है कि अलग-अलग शहरों में 330 वॉट के डीसी लगाए जाएंगे। सालाना लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि की जा रही है, जिससे 1370 मेगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है। भारत में 2023 तक 16 मिलियन स्क्वेयर फीट के डीसी स्टॉक हैं।

इस क्षेत्र में वैश्विक ऑपरेटर, रियल एस्टेट डेवलपर्स और देश के तेजी से बढ़ते बाजार में प्रवेश करने के लिए उत्सुक निजी इक्विटी फंडों से महत्वपूर्ण निवेश देखा गया है। वैश्विक निवेशकों की भारतीय डेटा सेंटर बाजार में गहरी रुचि बनी हुई है। कई समूह स्थानीय ऑपरेटरों के साथ साझेदारी और संयुक्त उद्यम पर नजर गड़ाए हुए हैं। खिलाड़ियों की बढ़ती संख्या के कारण आने वाले वर्षों में ऑपरेटरों के बीच एम एंड ए गतिविधि में तेजी आने की संभावना है, जिसके परिणामस्वरूप बाजार के बहुत अधिक बिखरने से पहले कुछ कंसोलिडेशन देखने को मिल सकता है। इस क्षेत्र का आकर्षण इस तथ्य से और भी बढ़ गया है कि 2018-2023 के बीच, भारत ने वैश्विक और घरेलू दोनों निवेशकों से 40 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की निवेश प्रतिबद्धताएं प्राप्त की हैं।

सेना ने मार गिराए दो आतंकी

जम्मू (ईएमएस)। भारतीय सेना ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा के तंगधार सेक्टर में दो आतंकी मार गिराए हैं। यह आतंकी नियंत्रण रेखा (एलओसी) को पार करके घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। भारतीय सेना के जवानों इनकी कोशिश को नाकाम करते हुए इन्हें नियंत्रण रेखा पर ही मार गिराया। भारतीय सेना के अधिकारियों ने बताया है कि यह पाकिस्तान की तरफ से दो आतंकी सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान इन्हें जब चेतावनी दी गई तो इन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई में दोनों ही आतंकी को मार गिराया।

ब्राइटकॉम ग्रुप शेयरों पर ट्रेडिंग बंद... खतरे में 5.7 लाख लोगों का पैसा

कंपनी ने 1280 करोड़ की छुपाई जानकारी...एनएसई-बीएसई ने लगाया बैन

नई दिल्ली(ईएमएस)। शेयर बाजार में अब ब्राइटकॉम ग्रुप के शेयरों को खरीद या बेच नहीं पाएंगे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर इसके शेयरों में 14 जून से ट्रेडिंग नहीं होगा। यह डिजिटल मार्केटिंग सॉल्यूशंस कंपनी ब्राइटकॉम ग्रुप है, जो मार्केट रेग्युलेटर सेबी के नियमों का उल्लघंन कर रही थी।

हैदराबाद की इस कंपनी पर सेबी ने पिछले दो साल से नजर बनाकर रखी थी। पूरी जानकारी नहीं देने के कारण कंपनी पर कार्रवाई हुई है। सेबी ने कहा कि कंपनी वित्तीय नतीजों में हेरफेर कर फर्जीवाड़ा कर रही थी। कंपनी ने लगभग 1280 करोड़ रुपये की जानकारी छिपाई है।

खर्च कम, मुनाफा ज्यादा बताया

कंपनी ने 2014-15 से 5 साल तक अपने खर्चों को कम और मुनाफे को ज्यादा बताया था। इसके चलते कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई के बाद ब्राइटकॉम ग्रुप के शेयर लोअर सर्किट लगा रहे हैं। दो दिन से इसके शेयरों में करीब 5-5 फीसदी का लोअर सर्किट लगा है। इसके चलते कोई भी निवेशक इस कंपनी का स्टॉक बेच नहीं पा रहा है, जिसके चलते 5.7 लाख निवेशकों का पैसा फंस चुका है। एनएसई ने एक सर्कुलर जारी कर बताया कि वित्तीय नतीजों में हेरफेर के चलते सेबी के आदेश पर यह कार्रवाई की गई है। सेबी ने कंपनी द्वारा दाखिल किए गए सितंबर और दिसंबर तिमाही के नतीजों पर भी सवाल उठाए हैं। इसलिए 14 जून से ब्राइटकॉम ग्रुप के स्टॉक की ट्रेडिंग बंद कर दी जाएगी। अगर कंपनी सेबी के नियमों पर खरी उतरती है तो आगे उसके शेयरों की ट्रेडिंग फिर शुरू होगी।

जब्त होंगे सभी शेयरहोल्डिंग

ट्रेडिंग बंद होने के 15 दिन के बाद कंपनी की सिक्योरिटीज में छह महीने के लिए हर सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ट्रेडिंग की अनुमति दी जाएगी। बीएसई ने बताया कि शेयरों पर बैन के बाद प्रमोटर्स की पूरी शेयर होल्डिंग और डीमैट अकाउंट में पड़े इस कंपनी के शेयर भी जब्त रहेंगी। ब्राइटकॉम ग्रुप के प्रमोटर्स के पास इसकी 18.38 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि 81.62 फीसदी हिस्सेदारी पब्लिक के पास है। कुल इस कंपनी के 5.7 लाख इन्वेस्टर्स हैं। इसमें एक दिग्गज कंपनी वैनगार्ड की भी हिस्सेदारी है। इसके अलावा एफपीआई एलजीओएफ ग्लोबल ऑपरच्युनिटी फंड की इसमें 2.48 फीसदी, दिग्गज निवेशक शंकर शर्मा की 1.14 फीसदी और सुब्रतो साहा की 2.02 फीसदी हिस्सेदारी है।

आप सांसद स्वाति मालीवाल ने दर्ज कराया बयान, सुनाई पूरी घटना

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली पुलिस की टीम आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के घर से निकल गई। 4 घंटे रुकने के बाद पुलिस की टीम उनके आवास से निकली। स्वाति मालीवाल ने अपना बयान दर्ज कराया है। दिल्ली पुलिस के अफसर दोपहर 1 बजकर 50 मिनट पर यहां आए थे। स्वाति मालीवाल के फ्लैट की टावर के बाहर सीआरपीएफ के 4-5 जवानों को तैनात किया गया था। स्वाति मालीवाल ने अपने बयानों में सोमवार 13 तारीख का पूरा घटनाक्रम बताया। किन हालातों में उन्होंने पीसीआर कॉल की उसके बारे में भी पुलिस को बताया। पुलिस ने उनके बयानों के आधार पर कानूनी कार्रवाई शुरू की। आप की राज्यसभा सांसद ने स्पेशल सेल के एडीशनल सीपी प्रमोद कुशवाह और एडीशनल डीसीपी नॉर्थ अंजीता के सामने बयान दर्ज कराए। स्वाति मालीवाल जब सीएम आवास पर पहुंची थीं तो उनके साथ मुख्यमंत्री के निजी सहायक विभव कुमार ने अभद्रता की। इसके बाद स्वाति मालीवाल सिविस लाइंस थाने पहुंची थीं। वहां पर उन्होंने कोई लिखित शिकायत नहीं दी। इस घटना के बाद आम आदमी पार्टी की भी प्रतिक्रिया सामने आई।

शुरुआती 4 चरणों में 66.95 प्रतिशत मतदान, अब तक लगभग 451 मिलियन मतदाताओं ने की वोटिंग

नई दिल्ली (ईएमएस)। आप हैरान मत होइएगा अगर मौजूदा लोकसभा चुनाव के दौरान आपको मतदाताओं से वोट डालने की अपील करते हुए विख्यात क्रिकेट खिलाड़ी और ईसीआई के नेशनल आइकन सचिन तेंदुलकर का फोन आ जाए। मौजूदा चुनावों के दौरान ईसीआई ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए अपने आउटरीच प्रयासों के अंतर्गत मतदाताओं से वोट देने की अपील करने और उन्हें मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए विभिन्न प्रयासों की एक श्रृंखला शुरू की है। लोकसभा चुनाव 2024 में अब तक मतदान केंद्रों पर लगभग 66.95 प्रतिशत मतदान हुआ है, क्योंकि मौजूदा आम चुनावों के शुरुआती चार चरणों के दौरान लगभग 451 मिलियन लोगों ने मतदान किया है।

ईसीआई ने प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच कायम करने के लिए अपने लक्षित प्रयासों को बढ़ाया है।

- आयोग ने क्या कहा

सीईसी राजीव कुमार के नेतृत्व में आयोग ने ईसी ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के साथ 5वें, 6वें और 7वें चरण में मतदान वाले राज्यों के सीईओ को सभी मतदाताओं को समय पर मतदाता सूचना पर्चियां वितरित करने और आउटरीच गतिविधियों को बढ़ाने का निर्देश दिया है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने कहा, ''आयोग का दृढ़ विश्वास है कि साझेदारी और सहयोग मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अनिवार्य स्तंभ हैं। वास्तव में यह खुशी की बात है कि आयोग के अनुरोध पर, विभिन्न संस्थान, प्रभावशाली व्यक्ति और महत्वपूर्ण पहुंच रखने वाली मशहूर हस्तियां कंधे से कंधा मिलाकर उत्साहपूर्वक काम कर रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा, अधिक संख्या में मतदान, भारतीय मतदाताओं की ओर से दुनिया को भारतीय लोकतंत्र की ताकत के बारे में एक संदेश होगा। उन्होंने सभी मतदाताओं से आग्रह किया है कि वे लोकतंत्र के उत्सव में भाग लेकर भारी संख्या में मतदान करें, क्योंकि मतदान दिवस कोई छुट्टी का दिन नहीं, बल्कि गौरव का दिन है।

जन हितैषी

रिश्ते-रिश्ते नहीं रहे, पति-पत्नी के रिश्ते गिव एंड टेक की तरह

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में दहेज उत्पीड़न के मामले में एक फैसला सुनाया है। फैसले में हाईकोर्ट ने कहा है कि विवाह के समय जो दहेज मिला है, वह वर पक्ष द्वारा लड़की को स्त्री-धन के रूप में दिया गया है। शादी में वर और वधू पक्ष से जो उपहार मिले हैं, उस सबकी सूची बनाएं। दूल्हा-दुल्हन दोनों के हस्ताक्षर करायें। दोनों परिवारों के प्रमुख सदस्य उस सूची पर हस्ताक्षर करें। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा, कि दहेज और उपहार में अंतर है। वर और वधु को मिलने वाले उपहार को दहेज नहीं माना जा सकता है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा, कि दहेज कानून की धारा 3 में दहेज लेना और देना दोनों ही दंडनीय अपराध है। उपधारा (2) में शादी में मिले उपहार की सूची बनाने की व्यवस्था है। दहेज के किसी भी मामले में विवाद होने पर सत्यापन किया जा सके। हाईकोर्ट ने यह भी कहा, कि सूची होने से इस तरह के विवादों से निपटने में सभी पक्षों को मदद मिलेगी। झूठे मामले, पुलिस और अदालत तक नहीं जाएंगे। विवाद का विषय कोई और होता है। दहेज का मामला बनाकर एक पक्ष को प्रताड़ित करने के मामले सामने आ रहे हैं। जब तक दहेज उन्मूलन कानून प्रचलन में नहीं आया था तब तक इस तरह के मामले सामने नहीं आते थे। पति-पत्नी के रिश्ते तलाक होने की नौबत तक नहीं पहुंचते थे। पति-पत्नी के बीच विवाद होता था। समाज और परिवार के लोग मिलकर उसे सुलझा देते थे। लेकिन अब पति-पत्नी के रिश्ते, वह रिश्ते नहीं रहे, जिन्हें अंतरंग रिश्ता कहा जा सके। अधिकांश मामले में गिव एंड टेक की तरह पति-पत्नी के रिश्ते बन गए हैं। जो चाहा वह नहीं मिला, तो विवाद की स्थिति पैदा होती है। विवाद होने पर तलाक और दहेज उत्पीड़न के मामले बन जाते हैं। पति-पत्नी को तो इसका खामियाजा भुगतना ही पड़ता है। इसके साथ परिवार के अन्य सदस्य भी लपेट लिए जाते हैं। भारत में तलाक और दहेज उत्पीड़न के मामले बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। पति-पत्नी के रिश्ते भी अब लेन-देन पर आधारित हो गए हैं। भारत में चार-पांच दशक पहले हिंदू समाज में तलाक का कोई मामला देखने में नहीं आता था। हिंदू समाज में तलाक को बहुत बुरा माना जाता था। शादी के बाद पति-पत्नी एक दूसरे को जीवन भर एडजस्ट करते थे। सामाजिक एवं पारिवारिक व्यवस्था में सबसे क्लोज और मजबूत रिलेशन पति-पत्नी का ही माना जाता है, लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल गए हैं। पति-पत्नी के रिश्ते में बंधने के बाद भी दोनों के बीच कोई आत्मीयता नहीं होती है। दोनों की आपस में किसी बात को लेकर कोई सामजस्य नहीं बन पाता है। तो एक दूसरे के साथ शारीरिक संबंध होने के बाद भी मानसिक रूप से जुड़ाव नहीं हो पाता है। दोनों रिश्ते को तोड़ने के लिए तैयार रहते हैं। भारत में जब से संयुक्त परिवार की परंपरा टूटना शुरू हुई है। परिवार के सदस्य अपना कैरियर और व्यापार के लिए संयुक्त परिवार से अलग होकर स्वयं का व्यापार या करियर बनाने लगे हैं। अब तो निजी जीवन में कोई भी एक-दूसरे का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं कर पा रहा है। जिसके कारण पति-पत्नी के रिश्ते टूटने की समस्या बढ़ती चली जा रही है। पारिवारिक रिश्ते भी अब आर्थिक रूप से एक दूसरे को जोड़कर रखते हैं। रिश्तों का आधार ही आर्थिक और स्वच्छंदता का हो गया है। पुरुष और महिलाओं की शिक्षा और बराबरी की होड़ में कोई किसी के साथ समझौता करके रहना नहीं चाहता है। स्वतंत्र अस्तित्व के कारण पति-पत्नी के रिश्ते भी अब बहुत कमजोर हो गए हैं। जब दोनों के रिश्ते टूटते हैं, तो उसमें आर्थिक आधार और निजी स्वतंत्रता ही सबसे बड़ा कारण होता है। निजी हितों के लिए, ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने के लिए दहेज एवं तलाक कानूनों का दुरुपयोग हो रहा है। पति-पत्नी के तलाक का असर पूरे परिवार और बच्चों पर पड़ रहा है। लोग शादी करने से डरने लगे हैं। जिसके कारण अवैध संबंधों की भी बाढ़ आ रही है। ऐसी स्थिति में सावधानी बरतना बहुत जरूरी हो गया है। सही मायने में पार्टनरशिप एक्ट की तरह शादी के लिए भी एक एक्ट बनना चाहिए। जिसमें दोनों ही पक्ष अपनी शर्तों के साथ पति-पत्नी के रिश्ते को स्वीकार करें। शर्तों का पालन नहीं करने पर यदि तलाक की नौबत आती है तो ऐसी स्थिति में छोड़-छुट्टी की शर्तें भी शादी के पहले ही तय होनी चाहिए। ताकि पति-पत्नी के रिश्ते और परिवार के रिश्ते सुरक्षित रहें। रिश्ते में कोई दुश्मनी का भाव नहीं आए। इलाहाबाद हाईकोर्ट का यह फैसला इस तरह के विवादों में ज्यादा पारदर्शिता लाने, पति-पत्नी के बीच झगडे कम हों, कानून का दुरुपयोग ना हो, रिश्ते भी रिश्ते की तरह हमेशा बने रहें। इस दिशा में एक शुरुआती कदम माना जा सकता है।

आधुनिक जीवन का अभिशाप है हाई ब्लडप्रेशर

(विश्व उच्च रक्तचाप दिवस, 17 मई 2024 पर विशेष)

उच्च रक्तचाप यानी हाई ब्लड प्रेशर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसके रोकथाम, पहचान और नियंत्रण को प्रोत्साहित करने के लिए हर साल 17 मई को 'विश्व उच्च रक्तचाप दिवस मनाया जाता है।' वर्तमान में दुनिया भर में उच्च रक्तचाप से करीब डेढ अरब से अधिक लोग पीड़ित हैं। दुनिया भर में उच्च रक्तचाप वाले अनुमानित 46 फीसदी लोग इस बात से अनजान हैं कि उन्हें उच्च रक्तचाप है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक उच्च रक्तचाप वाले पांच में से सिर्फ एक वयस्क इसे नियंत्रण में रखता है, जिसका अर्थ है कि 80 फीसदी को भारी खतरा है, जिसमें दिल का दौरा, स्ट्रोक, अनियमित दिल की धड़कन और गुर्दे को नुकसान पहुंचना आदि शामिल है। इस वर्ष की थीम के तहत 'अपने रक्तचाप को सटीक रूप से मापें, इसे नियंत्रित करें और लंबे समय तक जीवित रहें', इस पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उच्च रक्तचाप के प्रमुख कारण हैं मोटापा, तनाव, अस्वास्थ्यकर जीवनशैली, नियमित शारीरिक गतिविधि न करना, धूम्रपान, अल्कोहल, आहार में सोडियम (नमक) की अत्यधिक मात्रा और मधुमेह जैसी कुछ स्थितियाँ भी इसका कारण बन सकती हैं। गर्भावस्था के दौरान भी उच्च रक्तचाप हो सकता है।

नयी सदी की दहलीज पर खड़े महत्त्वाकांक्षी युवा-वर्ग के सामने प्रतिस्पर्धाओं का अंतहीन माहौल है। यदि वह इस बाधा दौड़ में हारता है, तो नकारात्मक तनावों से घिर जाता है, यदि जीतता है तो नयी-नयी स्पर्धाओं का चुनौति भरा संघर्ष फिर शुरू हो जाता है। अपनी विजय को स्थायी रखने तथा नये-नये कीर्तिमान स्थापित करने के लिए छल-प्रपंच और झूठ का सहारा लेता है। वैज्ञानिक कहते हैं दुनिया में जितना अधिक झूठ बढ़ा है, उतना ही अधिक हाई ब्लड प्रेशर का खतरा भी बढ़ा है। झूठ का रास्ता कभी सीधा नहीं होता। उबड़-खाबड़, टेढ़ा-मेढ़ा और घुमावदार होता है वह। कुटिल व्यक्ति के विचार सदा प्रदूषित रहते हैं। यह मन का प्रदूषण उच्च रक्तचाप की जड़ है। उच्च रक्तचाप से जुड़े तमाम खतरों के बीच प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुओं (अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड) का बढ़ता चलन चिंताजनक है। चिंता इसलिए कि खतरों को जानते-बूझते भी ऐसे खाद्य पदार्थों की बाजार में उपलब्धता ज्यादा होने लगी है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के हाल ही में सामने आए एक अध्ययन में बताया गया है कि नियमित रूप से प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ खाने से समय पूर्व मौत का जोखिम चार फीसदी बढ़ जाता है, जिसमें उच्च रक्तचाप प्रमुख है। आमतौर पर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ रेडी टू यूज होते हैं। पैकेट वाले स्नैक्स, डिब्बाबंद फूड, कोल्ड ड्रिंक इसकी श्रेणी में आते हैं। हाई ब्लडप्रेशर का खतरा महिलाओं से ज्यादा पुरुषों में होता है। इससे बचने के लिए न केवल डाइट और लाइफ स्टाइल पर ध्यान देने की जरूरत है बल्कि तनाव को कम करना और शरीर को सक्रिय बनाए रखने के लिए एक्सरसाइज भी बेहद जरूरी है। आजकल 18 साल से 50 वर्ष के लोग हाइपरटेंशन के अधिक शिकार हैं। हालांकि साठ साल की उम्र से पहले पुरुषों में उच्च रक्तचाप का खतरा ज्यादा रहता है, पर बाद में स्त्री-पुरुष दोनों में ही खतरे की आशंका बराबर होती है।

देखा गया है कि जो व्यक्ति गुस्सा नहीं करते, वो कम बीमार होते हैं। जिस व्यक्ति को गुस्सा ज्यादा आता है, उनमें ब्लडप्रेशर, हाइपरटेंशन, गंभीर रूप से पीठ में दर्द की शिकायत देखी गई है। इसके साथ ही ऐसे लोगों को पेट की शिकायत भी हो सकती है। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस उच्च रक्तचाप की रोकथाम और नियंत्रण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह लोगों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिसमें नियमित व्यायाम करना, स्वस्थ भोजन और संतुलित आहार खाना, तंबाकू, अत्यधिक शराब और धूम्रपान से बचना शामिल है। जीवनशैली में ये बदलाव उच्च रक्तचाप और इसकी जटिलताओं के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं। व्यक्ति की भावनाएं, सोच, विचार और आदत में अन्तरसंबंध होता है। हमारे विचार, हमारे सोच को प्रभावित करते हैं और सोच से आदत बदलती है। इसके लिए आपको नियमित व्यायाम करना चाहिए। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस का एक प्रमुख संदेश नियमित रक्तचाप की निगरानी का महत्व है। उच्च रक्तचाप को अक्सर 'साइलेंट किलर' कहा जाता है क्योंकि आमतौर पर इसके कोई लक्षण नहीं होते हैं जब तक कि यह गंभीर जटिलताएं पैदा न कर दे। नियमित रक्तचाप जांच से उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने और जटिलताओं को रोकने के लिए समय पर हस्तक्षेप करने में मदद मिल सकती है। स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर द्वारा बताई गई दवाएं लेना भी शामिल है।

चिकित्सा-विज्ञान की अपूर्व प्रगति ने मनुष्य को इस जीवनघाती व्याधि से बचाने में कल्पनातीत सहयोग दिया है। रोग-निदान करने वाले अति संवेदी सूक्ष्म उपकरण, औषध-विज्ञान और सफल शल्य-क्रिया-ये सब किसी मृत्युंजयी तत्त्व से कम नहीं हैं। आश्चर्य तो इस बात का है कि इतना सब कुछ होते हुए भी उच्च रक्तचाप जैसी जानलेवा बीमारी का राक्षसी-पंजा नियंत्रण के बाहर है। जो चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं, वे आम-आदमी के लिए अलभ्य हैं। इस महंगी चिकित्सा-सेवा के द्वारा संपन्न व्यक्ति भले ही मृत्यु के निमंत्रण को एक अवधि तक टाल दें, किंतु गरीबों की दयनीय दशा की कल्पना कौन कर सकता है? मियामी विश्वविद्यालय अमेरिका के वैज्ञानिकों/डॉक्टरों ने अपनी संयुक्त विज्ञप्ति में अपील की है कि मानसिक तनावों को अपने पर हावी न होने दें। इस संबंध में लोगों को स्वस्थ जीवन जीने के तौर-तरीके सिखाने चाहिए। उनका मानना है कि निरंतर तनाव-ग्रस्त रहने और भोजन में चिकने पदार्थों का अधिक सेवन करने वालों पर हाई ब्लड प्रेशर का आक्रमण आसानी से हो जाता है। तनाव मुक्त रहने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक शक्ति सुरक्षित रहती है।

तमाम तरह के शोध इस बात का खुलासा करते रहे हैं कि ऐसे डिब्बा बन्द खाद्य पदार्थों में शुगर, फैट और नमक की मात्रा काफी अधिक होती है, जबकि फाइबर व अन्य पोषक तत्व कम होते हैं। इसीलिए प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुएं उच्च रक्तचाप से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा देती हैं। लोग बेपरवाह होकर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। खास तौर से नई पीढ़ी को ऐसी खाद्य वस्तुएं अधिक लुभा रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकोनॉमिक रिलेशंस की ओर से जारी एक रिपोर्ट में पाया गया कि भारत का प्रसंस्कृत खाद्य बाजार 2011 से 2021 तक 13.37 फीसदी की सालाना दर से बढ़ा है। हालांकि कोविड-19 महामारी के दौरान इस क्षेत्र की वृद्धि दर घटकर 5.50 प्रतिशत रह गई थी, लेकिन यह अस्थायी दौर था। इसके बाद फिर इनकी उपलब्धता सहज होने लगी। उच्च रक्तचाप से ग्रस्त रोगियों में नियंत्रित परीक्षणों से पता चलता है कि पूरक पोटेशियम, फाइबर, एन-3 फैटी एसिड और फलों और सब्जियों से भरपूर और कम संतृप्त वसा वाले आहार से रक्तचाप में कमी आती है। कुछ जनसंख्या अध्ययन आहार प्रोटीन और रक्तचाप के स्तर के बीच विपरीत संबंध दिखाते हैं। नियमित रूप से कॉफी पीने से उच्च रक्तचाप के रोगियों में रक्तचाप बढ़ जाता है। 'तनाव' की भूमिका रहस्यमय बनी हुई है, 'नौकरी का तनाव' एवं 'पारिवारिक तनाव' उच्च रक्तचाप के लिए एक संभावित स्वतंत्र जोखिम कारक है।

चिंता इस बात की है कि खतरनाक बन रही खाद्य वस्तुओं को बाजार से हटाने का भारत में मजबूत तंत्र नहीं है। यहां तक कि शराब और धूम्रपान जैसे नशे की चीजों को नियंत्रित करने के लिए भी कोई ठोस नीति नहीं है। असल में उच्च रक्तचाप को लेकर सरकारी स्तर पर कोई चिंतन एवं चिन्ता भी नजर नहीं आती। यह बात सही है कि केंद्र और राज्य की सरकारों ने लोगों के पोषक आहार के लिए कई कार्यक्रम चलाए हैं, लेकिन बाजार में बिक रही उच्च रक्तचाप के लिए नुकसानदेह वस्तुओं पर लगाम लगाने के लिए कोई ठोस नीति नहीं है। लुभाने वाले विज्ञापन इन उत्पादों को बढ़ावा दे रहे हैं। लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ की किसी को इजाजत नहीं दी जा सकती। जरूरी है कि सरकार नुकसानदायक खाद्य पदार्थों को लेकर सख्त विज्ञापन और विपणन नीति तो बनाए ही, इसे सख्ती से लागू भी करे। (लेखक- ललित गर्ग/ ईएमएस)

एक देश, एक रंगीला, दूसरा बर्दाश्त नहीं

हम तेजी से एक देश, एक निशान, एक विधान, एक नेता, एक भगवान की और आगे बढ़ रहे हैं, इसीलिए हमें इस देश में रंगीला भी एक चाहिए । दूसरा कोई रंगीला हम बर्दाश्त नहीं कर सकते, फिर चाहे वो श्याम रंगीला हो या राम रंगीला। इस देश में एक ही रंगीला है। दूसरे की कल्पना करना ही जुर्म है । राष्ट्रद्रोह है।

वाराणसी के श्याम रंगीला को कल तक कोई नहीं जानता था,लेकिन आज पूरा देश जान गया है। श्याम रंगीला हास्य कलाकार है। हमारे यहां हास्य कलाकारों को पहले जोकर ,बाद में विदूषक और अब कॉमेडियन कहा जाता है। कॉमेडियन श्याम रंगीला बनारस से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ना चाहते थे ,लेकिन उनका नामांकन खारिज हो गया है। उन्होंने वाराणसी से पर्चा भरा था. जांच के बाद श्याम रंगीला का पर्चा खारिज हो गया।

नामांकन रद्द होने के बाद उन्होंने कहा कि 'वाराणसी से नहीं लड़ने देंगे यह तय था, अब साफ हो गया। दिल जरूर टूट गया है, हौंसला नहीं टूटा है.। श्याम रंगीला की तरह 32 और लोगों के नामांकन पात्र ख़ारिज कर दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी की मजबूरी थी कि वो ऐसा करे । यदि न करता तो उसकी छुट्टी हो जाती। बाकी का तो पता नहीं लेकिन श्याम रंगीला के नामांकन को लेकर देश में अच्छी प्रतिक्रिया नहीं आयी है।

बनारस में माननीय मोदी जी को हराना फिलहाल किसी के बूते की बात नहीं है । कांग्रेस के अजय राय की भी नहीं ,फिर भी राय लगातार तीसरी बार माननीय मोदी जी के सामने खड़े हुए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी का बस नहीं चलता अन्यथा वो राय साहब का नामांकन भी उसी तरह ख़ारिज कर देता जिस तरह सूरत में हुआ ,जिस तरह खजुराहो में हुआ। जहाँ नामांकन रद्द नहीं हो सकता वहां सत्तारूढ़ दल प्रतिद्वंदी पार्टी के उम्मीदवार को खरीद लेता है या नाम वापस करा लेता है।

रंगीला यदि चुनाव लादते तो कोई आसमान नहीं टूट जाता। रंगीला की तरह अन्य 32 लोग भी यदि मोदी जी के खिलाफ खड़े रहते तो भी आसमान को नहीं टूटना था लेकिन मोदी जी का दिल जरूर टूट जाता । जिला निर्वाचन अधिकारी को बनारस में ज्यादा से ज्यादा ईवीएम लगना पड़ती । मुमकिन है कि मोदी जी का नाम मशीन में पहले -दूसरे नंबर के बजाय सबसे नीचे होता। यदि ऐसा होता तो मुमकिन है कि मतदाता मोदी जी के कमल निशान तक पहुँच ही न पाता। रंगीला का दिल तोड़ने का काम निर्वाचन अधिकारी ने दिल पर पत्थर रखकर किया है। आखिर अघोषित राजाज्ञा भी तोकोई चीज होती है।

मैंने कल ही कहा था कि आज के लोकतंत्र में आम आदमी के लिए चुनाव लड़ने का कोई अवसर नहीं बचा है । करोड़,दस करोड़ नहीं बल्कि हजारों करोड़ के मालिक ही अब चुनाव लड़ते है ,लड़ सकते हैं। श्याम रंगीला जैसों को ये अधिकार नहीं है और यदि है तो उसे आसानी से छीना जा सकता है। श्याम रंगीला में इतनी कूबत नहीं है कि वो बनारस के जिला निर्वाचन अधिकारी के फैसले के खिलाफ किसी बड़ी अदालत का दरवाजा खटखटाये। श्याम रंगीला को चुप होकर घर ही बैठना पडेगा। यदि वो जिद करेगा तो उसे कॉमेडी करने से भी रोक दिया जाएगा ,क्योंकि कॉमेडी करने पर भी एकाधिकार माननीय का है। वे देश के सबसे बड़े स्टेंडअप कमेडियन हैं। उनकी भाव मुद्राएं क्रूज पर साक्षात्कार देते समय अलग और रैली में अलग होती हैं। उनका अभिनय बहुआयामी है। ,उनके कपडे सब हास्य बोध करते हैं।

जिस देश में एक निशान,एक विधान,एक जुबान ,एक खानपान का सपना देखा जा रहा हो उस देश में श्याम रंगीला चुनाव कैसे लड़ सकता है ?माननीय के खिलाफ चुनाव लड़ने से रंगीला को केवल सुर्खियां मिलतीं ,दुर्भाग्य से सुर्ख़ियों पर भी माननीय का एकाधिकार कहिये या कॉपी राइट कहिये, है। आम आदमी को सुर्खी में रहने का भी अधिकार नहीं है। उसे केवल एक अधिकार प्राप्त है और वो है मताधिकार। गनीमत है कि एक दशक पुरानी सत्ता ने उससे उसका ये वाला मताधिकार नहीं छीना है। अभी तक सत्ता पक्ष की और से ये हौवा खड़ा नहीं किया गया है कि यदि कांग्रेस सत्ता में आ गयी तो आपके मंगलसूत्र,मकान और भैंसों के साथ ही आपका मताधिकार छीन लिया जाएगा।

देश में एक जमाने में रंगीला की तरह बहुत से ऐसे नागरिक थे जो अपनी सांकेतिक उपस्थिति से चुनाव को रोचक बनाया करते थे । हमारे अपने शहर ग्वालियर में एक जमाने में धरतीपकड़ हुआ करते थे। अनेक चायवाले थे लेकिन उनके नामांकन को कभी किसी प्रतिद्वंदी नेता ने न ख़ारिज कराया और न उसके खड़े होना का बुरामाना ,लेकिन अब दुनिया ही नहीं हमारा देश भी बदल रहा है। रंगीला और धरतीपकड़ की भूमिका हमारे सत्तारूढ़ दल के नेता खुद निभा सकते हैं ,निभा रहे हैं। निभा इसलिए रहे हैं क्योंकि उनकी अपनी कोई विरासत नहीं है। इसलिए मजबूरी में भाजपा को भी उन्हीं ज्योतिषियों का सहारा लेना पड़ रहा है ,जिनका सहारा दूसरे लोग भी लेते हैं।

मै अपने आपको सौभाग्यशाली मानता हूँ कि मैंने विधानसभा का चुनाव लड़ा लेकिन मेरे प्रतिद्वंदी तबके सत्तारूढ़ दल के मंत्री बालेंदु शुक्ल ने मेरा नामांकन रद्द नहीं कराया। मुझे चुनाव लड़ने दिया। मुझे खरीदने की कोशिश नहीं की। मुझे धमकाने की कोशिश नहीं की । जिला निर्वाचन अधिकारी से कुछ नहीं कहा ,क्योंकि जब मैंने चुनाव लड़ा था तब मोदी युग नहीं था। शायद मोदी जी भी तब कहीं नहीं थे। यदि रहे भी होंगे तो उन्हें लोग श्याम रंगीला जितना भी शायद न जानते हों। इंदिरा गाँधी को रायबरेली से चुनाव हारने वाले राजनारायण जी भी समाजवादी राजनीति के श्याम रंगीला थे। एकदम फक्कड़ । बात-बात पर हंसाते थे ,खुद भी हसंते थे ,लेकिन राजनीति भी जमकर करते थे। मुझे लगता है कि भाजपा को श्याम रंगीला में कहीं राजनारायण के दर्शन तो नहीं हो गए।

बहरहाल श्याम रंगीला के साथ जो हुआ ,वो नहीं होना चाहिए था । चुनाव लड़ने वाले किसी भी नागरिक के साथ नहीं होना चाहिए। यदि ऐसा हो रहा है तो इसके लिए देश और लोकतंत्र शर्मिंदा है। गनीमत है कि हम भारत में रहते हैं ,स्लोवाकिया में नहीं। हालाँकि हम स्लोवाकिया की तरह अपने ही अनेक नेताओं के कत्ल के आरोपी रहे हैं। ईश्वर करे कि देश में कभी कोई सिरफिरा पैदा न हो। फिर हमारे नेताओं के जिस्म छलनी न हों। ये सुनिश्चित करने के लिए हमें श्याम रँगीलाओं को संरक्षण देना होगा । उन्हें चुनाव लड़ने का मौक़ा देना होग। अन्यथा लोकतंत्र को लोकतंत्र कहने में संकोच होगा। अठारहवीं लोकसभा के लिए हो रहे मतदान के बाकी के चरणों में निर्वाचन अधिकारी किसी की कठपुतली न बनें। किसी को चुनाव लड़ने से जानबूझकर न रोकें। क्योंकि अभी इस देश में एक निशान है,एक संविधान है। एक किसान है ,एक जवान है। समृद्ध अतीत है और संभावनाओं से भरा भविष्य है। वर्तमान कैसा है वो आपके सामने है ही । (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में वृद्धि से गरीब वर्ग तक सहायता पहुंचाना हुआ आसान

आपको ध्यान होगा कि जब केंद्र सरकार वस्तु एवं सेवा कर को भारत में लागू करने के प्रयास कर रही थी तब कई विपक्षी दलों ने इस नए कर को देश में लागू करने के प्रति बहुत आशंकाएं व्यक्त की थीं। उस समय कुछ आलोचकों का तो यहां तक कहना था कि वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली देश में निश्चित ही असफल होने जा रही है एवं इससे देश के गरीब वर्ग पर कर के रूप में बहुत अधिक बोझ पड़ने जा रहा है। परंतु, केंद्र सरकार ने देश में पूर्व में लागू जटिल अप्रयत्यक्ष कर व्यवस्था को सरल बनाने के उद्देश्य से वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को 1 जुलाई 2017 से पूरे देश में लागू कर दिया था तथा इस कर में लगभग 20 प्रकार के करों को सम्मिलित किया गया था। वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को लागू करने के तुरंत उपरांत व्यापारियों को व्यवस्था सम्बन्धी कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा था। परंतु, इन परेशानियों को केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों के सहयोग से धीरे धीरे दूर कर लिया गया है एवं आज वस्तु एवं सेवा कर के अन्तर्गत देश में कर व्यवस्था का तेजी से औपचारीकरण हो रहा है जिससे देश में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण कुलांचे मारता हुआ दिखाई दे रहा है।

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए धन की आवश्यकता होती है और यह धन देश की जनता से ही करों के रूप में उगाहे जाने के प्रयास होते हैं। उस कर व्यवस्था को उत्तम कहा जा सकता है जिसके अंतर्गत नागरिकों को कर का आभास बहुत कम हो। जिस प्रकार मक्खी गुलाब के फूल से शहद कुछ इस प्रकार से निकालती है कि फूल को मालूम ही नहीं पड़ता है, ठीक इसी प्रकार की कर व्यवस्था केंद्र सरकार द्वारा, वस्तु एवं कर सेवा के माध्यम से, देश में लागू करने के प्रयास किये गए हैं। गरीब वर्ग द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुओं पर कर की दर को या तो शून्य रखा गया है अथवा कर की दर बहुत कम रखी गई है। इसके विपरीत, धनाडय वर्ग द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुओं पर कर की दर बहुत अधिक रखी गई है। वस्तु एवं सेवा कर की दर को शून्य प्रतिशत से लेकर 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत अधिकतम तक रखा गया है।

भारत में वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को लागू किया हुए 6.5 वर्षों से अधिक का समय हो चुका है एवं आज देश में अप्रत्यक्ष कर संग्रहण में लगातार हो रही तेज वृद्धि के रूप में इसके सुखद परिणाम स्पष्टतः दिखाई देने लगे हैं। दिनांक 1 मई 2024 को अप्रेल 2024 माह में वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण से सम्बंधित जानकारी जारी की गई है। हम सभी के लिए यह हर्ष का विषय है कि माह अप्रेल 2024 के दौरान वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण पिछले सारे रिकार्ड तोड़ते हुए 2.10 लाख करोड़ रुपए के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है, जो निश्चित ही, भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शा रहा है। वित्तीय वर्ष 2022 में वस्तु एवं सेवा कर का औसत कुल मासिक संग्रहण 1.20 लाख करोड़ रुपए रहा था, जो वित्तीय वर्ष 2023 में बढ़कर 1.50 लाख करोड़ रुपए हो गया एवं वित्तीय वर्ष 2024 में 1.70 लाख करोड़ रुपए के स्तर को पार कर गया। अब तो अप्रेल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपए के स्तर से भी आगे निकल गया है। इससे यह आभास हो रहा है कि देश के नागरिकों में आर्थिक नियमों के अनुपालन के प्रति रुचि बढ़ी है, देश में अर्थव्यवस्था का तेजी से औपचारीकरण हो रहा है एवं भारत में आर्थिक विकास की दर तेज गति से आगे बढ़ रही है। कुल मिलाकर अब यह कहा जा सकता है कि भारत आगे आने वाले 2/3 वर्षों में 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। भारत में वर्ष 2014 के पूर्व एक ऐसा समय था जब केंद्रीय नेतृत्व में नीतिगत फैसले लेने में भारी हिचकिचाहट रहती थी और भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की हिचकोले खाने वाली 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी। परंतु, केवल 10 वर्ष पश्चात केंद्र में मजबूत नेतृत्व एवं मजबूत लोकतंत्र के चलते आज वर्ष 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है।

वस्तु एवं सेवा कर के माध्यम से देश में कर संग्रहण में आई वृद्धि के चलते ही आज केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा गरीब वर्ग को विभिन्न विशेष योजनाओं का लाभ पहुंचाये जाने के भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। पीएम गरीब कल्याण योजना के माध्यम से मुफ्त अनाज के मासिक वितरण से 80 करोड़ से अधिक परिवारों को लाभ प्राप्त हो रहा है। पीएम उज्जवल योजना के अंतर्गत 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान किये गए हैं। इन महिलाओं के जीवन में इससे क्रांतिकारी परिवर्तन आया है क्योंकि ये महिलाएं इसके पूर्व लकड़ी जलाकर अपने घरों में भोजन सामग्री का निर्माण कर पाती थीं और अपनी आंखों को खराब होते हुए देखती थीं। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत भी 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण कर महिलाओं की सुरक्षा एवं गरिमा को कायम रखा जा सका है। जन धन खाता योजना के अंतर्गत 52 करोड़ से अधिक खाते खोलकर नागरिकों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में लाया गया है। इससे गरीब वर्ग के नागरिकों के लिए वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिला है। पूरे भारत में 11,000 से अधिक जनऔषधि केंद्र स्थापित किए गए हैं, जो 50-90 प्रतिशत रियायती दरों पर आवश्यक दवाएं प्रदान कर रहे हैं। साथ ही, जल जीवन मिशन ने पूरे भारत में 75 प्रतिशत से अधिक घरों में नल के पानी का कनेक्शन प्रदान करके एक बड़ा मील का पत्थर हासिल कर लिया गया है। लगभग 4 वर्षों के भीतर मिशन ने 2019 में ग्रामीण नल कनेक्शन कवरेज को 3.23 करोड़ घरों से बढ़ाकर 14.50 करोड़ से अधिक घरों तक पहुंचा दिया गया है। इसी प्रकार, पीएम आवास योजना के अंतर्गत, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में 4 करोड़ से अधिक पक्के मकान बनाए गए हैं एवं सौभाग्य योजना के अंतर्गत देश भर में 2.8 करोड़ घरों का विद्युतीकरण कर लिया गया है। विश्व भर के सबसे बड़े सरकारी वित्तपोषित स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना - के अंतर्गत 55 करोड़ लाभार्थियों को माध्यमिक एवं तृतीयक देखभाल एवं अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति परिवार 5 लाख रुपए का बीमा कवर प्रदान किया जा रहा है।

वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में आई तेजी के चलते केवल गरीब वर्ग के लिए विशेष योजनाएं ही नहीं चलाई गईं है बल्कि विशेष रूप से केंद्र सरकार के लिए अपने पूंजीगत खर्च में भी बढ़ौतरी करने में आसानी हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 11.11 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च का केंद्रीय बजट में प्रस्ताव किया गया है जो वित्तीय वर्ष 2023-24 के 10 लाख करोड़ रुपए का था एवं वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7.5 लाख करोड़ रुपए का था। केंद्र सरकार द्वारा की जा रही इतनी भारी भरकम राशि के पूंजीगत खर्च के कारण ही आज देश में निजी क्षेत्र भी अपना निवेश बढ़ाने के लिए आकर्षित हुआ है। विदेशी वित्तीय संस्थान भी अब भारत में अपना विदेशी निवेश बढ़ा रहे हैं। इसके साथ ही, वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में लगातार हो रही वृद्धि के कारण केंद्र सरकार के बजट में वित्तीय घाटे की राशि को लगातार कम किए जाने में सफलता मिलती दिखाई दे रही है, इससे केंद्र सरकार को अपने खर्चे चलाने के लिए बाजार से ऋण लेने की आवश्यकता भी कम होने जा रही है। (लेखक- प्रहलाद सबनानी / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8009

बाएँ से दाएँ

1. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
3. रहस्य का ज्ञाता-4
6. खुशबू, सुगंध-3
7. सौ, सैकड़ा, शतक-2
8. दुलारा, लाड़ला-2
10. नाम रखना-5
12. दाम, मूल्य, दर-3
15. अग्नि, आग-3
17. सम्मान देना -2,3
20. जन्नत, अप्सरा-2
22. दाम, कीमत-2
23. स्थान-3
24. अचरज भरा कार्य-4
25. गागर, घड़ा-3

ऊपर से नीचे

2. न्यूनता, कमी-5
3. अटक-अटक कर बोलने वाला-3
4. आवश्यकता-4
5. राजी करना, मान मनुहार करना-3
7. वहम, संदेह-2
9. भाग्यशाली(अंग्रजी-2)
11. मैला, दागदार-3
13. धोखेबाज, कपटी-3
14. मन मोहने वाला-5
15. अशांति फैलाने वाला, उपद्रवी-4
16. रक्त, खून-2
18. आनेवाला दिन-2
19. नृत्य करना-3
21. चांदी-3

शब्द पहेली -8008 का हल

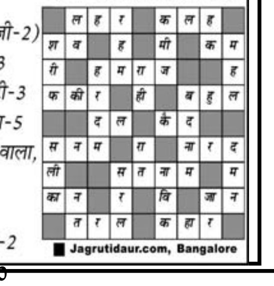

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

द्रविड हैं अभी विश्व क्रिकेट में सबसे महंगे कोच

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अभी टीम के लिए नये कोच की तलाश कर रहा है। इसका कारण है कि वर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल टी20 विश्वकप के बाद समाप्त हो रहा है। अब सवाल है कि इस पद के लिए विश्व का सबसे धनी क्रिकेट बोर्ड कितने कितनी रकम देगा। अभी द्रविड़ को कोच के तौर पर

हर साल 10 करोड़ रुपये मिलते हैं। ये दुनिया भर में किसी क्रिकेट कोच को मिलने वाली सबसे अधिक राशि है। वहीं दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलियाई मुख्य कोच एंड्रयू मैक्डोनाल्ड क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) हर साल साढे छह करोड़ रुपये देता है। वहीं इंग्लैंड के कोच मैकुलम को 4 साल के लिए लगभग 16.08 करोड़ रुपये सालाना करीब 4 करोड़ से ज्यादा दिये जाते हैं।

वहीं न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के मुख्य गैरी स्टीड को सालाना 1.74 करोड़ रुपये दिये जाते हैं। उनका कार्यकाल 2025 तक बढ़ा दिया गया है। वहीं श्रीलंका क्रिकेट टीम के कोच क्रिस सिल्वरवुड को 50 लाख रुपये मिलते हैं।

रॉयल्स प्लेऑफ में पहुंचने वाली दूसरी टीम बनी

गुवाहाटी (ईएमएस)। राजस्थान रॉयल्स की टीम पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में हार के बाद भी प्लेऑफ में पहुंचने वाली दूसरी टीम बनी है। सबसे पहले कोलकाता नाइटराइडर्स प्लेऑफ में पहुंची थी। राजस्थान के अब 13 मैचों में 8 जीत और 5 हार से 16 अंक हैं। ये रॉयल्स की सत्र में चौथी हार है।

वहीं पंजाब जीत 10 अंक के साथ ही नौवे स्थान पर पहुंच गयी है। राजस्थान की टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है जबकि पंजाब 9वें स्थान पर है।

वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) 19 अंक के साथ नंबर एक पर है जबकि चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स 14-14 अंक के साथ तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। सीएसके ने 13 मैच खेले हैं जबकि सनराइजर्स ने 12 और दिल्ली के लीग मैच के सभी 14 मुकाबले हो गये हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 12 अंक लेकर छठे और लखनऊ सुपर जाइंट्स भी 12 अंक लेकर सातवें स्थान पर है। गुजरात टाइटंस 11 अंक के साथ 8वें स्थान पर है जबकि मुंबई इंडियंस 8 अंक के साथ सबसे नीचे हैं।

अंतिम स्थान से बचने का प्रयास कर रहीं पंजाब किंग्स और मुम्बई

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल में पंजाब किंग्स की राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पांच विकेट की जीत से मुंबई इंडियंस अब अंक तालिका में अंतिम स्थान पर खिसक गयी है। पंजाब किंग्स की जीत से अंक तालिका में ऊपर तो कोई प्रभाव नहीं पड़ा पर अंतिम दो टीमों की जगह बदल गयी है। .

पंजाब किंग्स इस जीत के साथ ही 13 मैच से 10 अंक लेकर अब अंकतालिका में एक स्थान ऊपर आकर नौवें पर पहुंच गई है। वहीं मुंबई इंडियंस 10वें नंबर पर खिसक गई हा। मुंबई के 13 मैच में 4 जीत से 8 अंक हैं। अब ये दोनो का लक्ष्य अंतिम स्थान से बचना रहेगा।

पंजाब किंग्स जहां अब 19 मई को सनराइजर्स हैदराबाद से खेलेगी। वहीं मुंबई इंडियंस की टीम 17 को लखनऊ सुपरजायंट्स से खेलेगी। अगर मुंबई यह मुकाबला जीत लेती है तो वह पंजाब को फिर 10वें नंबर पर धकेल देगी पर यदि पंजाब अपना आखिरी मुकाबला जीतती है तो वह फिर नौवें नंबर पर आ जाएगी।

वहीं शीर्ष 4 में कोलकाता नाइटराइडर्स 19 अंक लेकर पहले नंबर पर है जबकि राजस्थान रॉयल्स 16 अंक के साथ दूसरे नंबर पर है। अब टूर्नामेंट में उसका एक मैच बचा है। टॉप-2 में बने रहने के लिए उसे यह मुकाबला जीतना होगा। वहीं चेन्नई सुपरकिंग्स 14 अंक लेकर तीसरे जबकि सनराइजर्स हैदराबाद भी 14 अंक लेकर ही चौथे नंबर पर है। ये दोनों ही टीमें राजस्थान को दूसरे से तीसरे नंबर पर खिसका सकती हैं।. दिल्ली कैपिटल्स 14 अंक के साथ ही पांचवें पर है।

छेत्री ने संन्यास की घोषणा की

6 जून को खेलेंगे अपना अंतिम मुकाबला

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान और स्टार खिलाड़ी सुनील छेत्री ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी है। छेत्री ने अपने संन्यास की घोषणा सोशल मीडिया पर एक वीडियो के जरिये की है। छेत्री के अनुसार वह अपना अंतिम मैच 6 जून को कुवैत के खिलाफ होने वाले फीफा विश्व कप क्वालीफिकेशन मुकाबले में खेलेंगे। 39 साल के छेत्री ने 12 जून 2005 को पाकिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू कारने के साथ ही अपना पहला गोल भी किया था। छेत्री ने अपने दो दशक के करियर में 145 मैच खेलते हुए 93 गोल दागे हैं।

छेत्री अब सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर और सर्वाधिक कैप्ड खिलाड़ी के रूप में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहेंगे। वह अभी सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा गोल करने के मामले में महान फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी के बाद तीसरे स्थान पर हैं। छेत्री ने संन्यास की घोषणा करने के दौरान अपने डेब्यू से लेकर अपने पूरे करियर में बताये समय को भी याद किया और भावुक भी हो गये। उन्होंने अपना एक वीडियो भी जारी किया। इसमें उन्होंने अपना सफर दिखाया। उन्होंने अपने करियर में कुल 6 बार एआईएफएफ प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीते हैं। इसके अलावा 2011 में उन्हे अर्जुन पुरस्कार और 2019 में पद्म श्री पुरस्कार मिला था। अंतरराष्ट्रीय मंच पर छेत्री एएफसी में खिताब जीतने वाली भारतीय टीमों में शामिल रहे हैं। 2008 में चैलेंज कप, 2011 और 2015 में सैफ चैंपियनशिप, 2007, 2009 और 2012 में नेहरू कप, साथ ही 2017 और 2018 में इंटरकांटिनेंटल कप खेला था।

टी20 विश्वकप सेमीफाइन के दिन बारिश हुई तो आठ लेवल में शीर्ष पर रहने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। अगले माह वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने टी20 विश्व कप में अगर दूसरे सेमीफाइनल में बारिश हुई तो सुपर आठ लेवल में टॉप पर रहने वाली टीम फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लेंगी। विश्व कप में केवल फाइनल के लिए रिजर्व दिन रखा गया है पर दोनो सेमीफाइनल के लिए कोई रिजर्व दिन नहीं है।

भारतीय टीम अगर सेमीफाइनल में पहुंचती है तो 27 जून को गुयाना में दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला होगा। वहीं पहला सेमीफाइनल 26 जून को त्रिनिदाद में होगा जो रात का मैच है जबकि गुयाना में दूसरा सेमीफाइनल दिन में होगा। दूसरा सेमीफाइनल भारतीय समयानुसार रात 8.30 से शुरू होगा जिसमें मौसम की गाज गिरने पर 250 मिनट का अतिरिक्त समय होगा। पहले सेमीफाइनल को भी इसी तरह अतिरिक्त समय दिया जायेगा जो 26 जून को 60 मिनट और 27 जून को दोपहर दो बजे से 190 मिनट का होगा। फाइनल 29 जून को होगा जिसके लिए 30 जून को रिजर्व दिन होगा।

टी20 विश्व कप में खेलने की शर्तों के अनुसार रिजर्व दिन केवल 29 जून को बारबाडोस में होने वाले फाइनल के लिये रखा गया है।सभी मैचों में प्रत्येक पक्ष के लिए एक पारी होगी, प्रत्येक पारी अधिकतम 20 ओवरों तक सीमित होगी। सभी मैच एक दिन की निर्धारित अवधि के होंगे, बशर्ते कि किसी सीरीज या टूर्नामेंट में भाग लेने वाले देश रिजर्व डे के लिए सहमत हो सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो अधूरा मैच फिर से खेला जा सकता है या निर्धारित दिन से जारी रखा जा सकता है।

यदि मैच को रिजर्व डे पर जारी रखना है तो मैच को निर्धारित दिन पर पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा और ओवरों में आवश्यक कमी की जाएगी। केवल तभी जब निर्धारित दिन पर मैच के लिए आवश्यक न्यूनतम ओवर नहीं फेंके जा सकें तो मैच को रिजर्व डे पर पूरा किया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीकी टीम में केवल एक अश्वेत खिलाड़ी होने पर सवाल उठे

जोहानिसबर्ग (ईएमएस)। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने अगले माह होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टीम में केवल एक अश्वेत खिलाड़ी को शामिल किया है। इससे सीएसए विवादों में आ गया है। शुरुआत में विश्वकप के लिए तय की गयी संभावित टीम में करीब छह अश्वित खिलाड़ी थे पर बाद में केवल एक ही खिलाड़ी कागिसो रबाडा को टीम में जगह मिली। इसके अलावा लुंगी एनगिडी को रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है।

वहीं सीएसए के देश में भेदभाव पर बदलाव लाने के लक्ष्य के तहत एक सत्र के दौरान दक्षिण अफ्रीका की अंतिम एकादश में छह अश्वेत खिलाड़ियों का होना जरूरी है पर टी20 विश्व कप के लिए चयनित टीम में केवल एक अश्वित खिलाड़ी रबाडा को ही जगह मिली है। ऐसे में सीएसए के अपने लक्ष्य को पूरा नहीं करने से सभी नाराज हैं।

वहीं इस मामले में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खेल मंत्री फिकिले एमबालुला ने सोशल मीडिया पर अपनी सफाई में कहा' आगामी टी20 विश्व कप 2024 की टीम के लिए केवल एक अफ्रीकी खिलाड़ी को दक्षिण अफ्रीका की टीम में चुना गया है और रूप से यह बदलाव लाने की प्रक्रिया के विपरीत है क्योंकि इसमें दक्षिण अफीकी लोगों का सही प्रतिनिधित्व नहीं आया है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 677 अंक, निफ्टी भी 203 अंक उछला

मुम्बई (ईएमएस)। शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही एचडीएफसी बैंक और इंफोसिस में खरीदारी में खरीददारी से आई है। इसके अलावा अमेरिकी और एशियाई बाजारों में आये उछाल से भी भारतीय बाजार को बल मिला है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 676.69 अंक करीब 0.93 फीसदी की बढ़त के साथ ही 73,663.72 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई निफ्टी भी 203.30 अंक तकरीबन 0.92 फीसदी ऊपर आकर 22,403.85 अंक पर बंद हुआ।

बाजार जानकारों के अनुसार मजबूत वैश्विक रुझानों के कारण ही घरेलू बाजार में ये उछाल आया है। अमेरिकी मुद्रास्फीति के कमजोर आंकड़ों से भी बाजार पर प्रभाव आया है। निर्यात बढ़ने से भी व्यापक बाजार में बढ़त आई है। इसी कारण बैंकिंग, आईटी जैसे क्षेत्र बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, टाइटन, इंफोसिस, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर ऊपर आये जबकि

दूसरी ओर मारुति, भारतीय स्टेट बैंक, पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स और इंडसइंड बैंक के शेयर गिरे।

वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग लाभ के साथ बंद हुए। वहीं यूरोपीय बाजार में गिरावट के साथ कारोबार हुआ है। वॉल स्ट्रीट बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 2,832.83 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची थी।

बेंचमार्क इंडेक्स इस शनिवार को स्पेशल ट्रेडिंग सेशन के लिए खुले रहेंगे। इसका कारण है कि एनएसई किसी भी आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों के लिए टेस्टिंग करना चाहता है। इस शनिवार को स्पेशल सेशन दो पार्ट में होंगे। पहला स्पेशल सेशन सुबह 9:15 बजे शुरू होगा और 10 बजे तक चलेगा। वहीं, डिजास्टर रिकवरी साइट से दूसरा सत्र 11:45 बजे से शुरू होकर दोपहर 1 बजे तक जारी रहेगा। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ।

वहीं इससे पहले आज सुबह वै?श्विक बाजारों से ?मिले शानदार संकेतों की वजह से घरेलू बाजारों में तेजी आई। सेंसेक्स 306 अंक बढ़कर 73,293 के स्तर पर पहुंच गया जबकि निफ्टी 50 90 अंक बढ़कर 22,300 अंक के करीब 22,290 पर पहुंच गया। टेक एम में 2 फीसदी की तेजी आई और यह सेंसेक्स सूचकांक में टॉर पर रहा। इसके बाद विप्रो, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक, इंफोसिस, एमएंडएम, आईसीआईसीआई बैंक और टाटा स्टील का स्थान रहा। वहीं पावर ग्रिड, मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, एलएंडटी और एनटीपीसी के शेयर आज सबसे ज्यादा गिरे। व्यापक बाजारों में, एसएंडपी बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में क्रमशः 0.44 फीसदी और 0.68 फीसदी की बढ़त हुई।

भारत एथिलीन ऑक्साइड टेस्टिंग के लिए सख्त मानक लागू करने की तैयारी में

नई दिल्ली (ईएमएस)। एथिलीन ऑक्साइड एक बहु-उपयोगी रसायन है। इसका इस्तेमाल कीटाणुनाशक, उपकरणों को पूरी तरह से जीवाणुरहित करने और मसालों में मौजूद छोटे जीवों को मारने के लिए किया जाता है। मगर, ज्यादा मात्रा में सेवन सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है, यहां तक कि कैंसर का खतरा भी बढ़ा सकता है। इसीलिए, हर देश ने मसालों में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा को सीमित करने के लिए अलग-अलग नियम बनाए हैं। भारत भी इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है और जल्द ही एथिलीन ऑक्साइड टेस्टिंग के लिए सख्त मानक लागू करने की तैयारी में है। भारतीय मसालों की सुरक्षा और क्वालिटी तय करने के लिए मसाला बोर्ड ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। यह कदम सिंगापुर और हांगकांग द्वारा एवरेस्ट और एमडीएच द्वारा बेचे जा रहे कुछ मसालों की बिक्री पर रोक लगाने के बाद उठाए गए हैं। इन मसालों में एथिलीन ऑक्साइड नामक कैंसर पैदा करने वाले कीटनाशक की मात्रा अधिक थी। अधिकारी ने बताया ?कि मसाला बोर्ड ने 130 से अधिक निर्यातकों और संघों के साथ मिलकर काम किया है, जिसमें अखिल भारतीय मसाला निर्यातक मंच और भारतीय मसाला और खाद्य पदार्थ निर्यातक संघ शामिल हैं। इस समस्या का मूल कारण जानने के लिए एक तकनीकी-वैज्ञानिक समिति का गठन किया गया। इस समिति ने प्रोसेसिंग सुविधाओं का निरीक्षण किया और मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में परीक्षण के लिए नमूने भी एकत्र किए। भारत ने हाल ही में दो अहम कदम उठाए हैं। पहला, मसाला निर्यात की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करना। सिंगापुर और हांगकांग को भेजे जाने वाले सभी मसालों को अनिवार्य रूप से अवशेषों के लिए परीक्षण किया जाएगा। साथ ही निर्यातकों को एथिलीन ऑक्साइड ट्रीटमेंट के सही तरीके के बारे में फिर से बताया गया है।

अब श्रीलंका में भी कर सकेंगे यूपीआई से भुगतान

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। फोनपे ने अपने ग्राहकों के लिए नई सर्विस शुरू की है, जिसकी मदद से श्रीलंका जाने वाले भारतीय भी फोनपे ऐप की मदद से आसानी से यूपीआई पेमेंट कर पाएंगे। फोनपे ने लंकापे के साथ साझेदारी करने का ऐलान किया है। इससे कंपनी के यूजर्स को श्रीलंका में यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) पेमेंट करने की सुविधा मिलेगी। श्रीलंका की यात्रा करने वाले सैलानियों को ये बहुत फायदा देगा। वो आसानी से फोनपे के जरिए लंकापे के क्यूआर कोड को स्कैन करके यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे। इस सर्विस के शुरू होने के बाद फोनपे ग्राहकों को लंकापे क्यूआर कोड को स्कैन करने में मदद मिलेगी और वह सुरक्षित तरीके से तुरंत पेमेंट कर सकेंगे। इसका एक और फायदा होगा कि इसके लिए उन्हें करेंसी एक्सचेंज कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी लेकिन श्रीलंका में ट्रांजेक्शन करने पर रुपए और श्रीलंका करेंसी के बीच की विनिमय दर यानी एक्सचेंज रेट का पेमेंट उन्हें करना होगा। फोनपे के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी का कहना है कि फोनपे और लंकापे के सहयोग से भारतीय यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। वे अब यात्रा करते समय और लंका पे क्यूआर का उपयोग करके वहां सर्विसेस और गुड्स के लिए भुगतान कर सकेंगे।

सरकार ने कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर घटाकर 5,700 रुपये प्रति टन किया

- डीजल, पेट्रोल और विमान ईंधन के निर्यात पर एसएईडी को शून्य पर बरकरार रखा

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर गुरुवार से 8,400 रुपये प्रति टन से घटाकर 5,700 रुपये प्रति टन कर दिया है। यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है। डीजल, पेट्रोल और विमान ईंधन के निर्यात पर एसएईडी को शून्य पर बरकरार रखा गया है। जुलाई 2022 में कच्चे तेल उत्पादकों और गैसोलीन, डीजल और विमानन ईंधन के निर्यात पर कर लगाया गया था। विंडफॉल टैक्स को हर दो सप्ताह में संशोधित किया जाता है। भारत ने जुलाई 2022 में कच्चे तेल उत्पादकों और गैसोलीन, डीजल और विमानन ईंधन के निर्यात पर टैक्स लगाना शुरू किया। इसका मकसद निजी रिफाइनर को नियंत्रित करना है, जो मजबूत रिफाइनिंग मार्जिन से फ़ायदा उठाने के लिए लोकल लेवल पर ईंधन बेचने के बजाय विदेशों में ईंधन बेचना चाहते थे। इस वजह से सरकार विंडफॉल टैक्स लागू करती है। विंडफॉल टैक्स का विस्तार गैसोलीन, डीजल और एटीएफ के निर्यात को कवर करने के लिए किया गया। कच्चे तेल की कीमतें बुधवार को अमेरिकी व्यापार में तीन महीने के निचले लेवल पर आ गईं। इस वजह से लगातार दूसरे सत्र में गिरावट आई, क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने इस वर्ष वैश्विक मांग के लिए अपने दृष्टिकोण को कम कर दिया है। ऐसे घटनाक्रमों ने पिछले सप्ताह अमेरिका में कच्चे तेल के बड़े भंडार में कमी दिखाने वाले शुरुआती आंकड़ों को पीछे छोड़ दिया। अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत 2.2इ गिरकर 72.72 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई, जो 26 फरवरी के बाद सबसे कम है, जबकि सत्र का उच्चतम स्तर 78.71 डॉलर रहा। इसी तरह, ब्रेंट की कीमत बुधवार को 2 फीसदी गिरकर 81.08 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जो 26 फरवरी के बाद सबसे कम है, जबकि सत्र का उच्चतम स्तर 83.03 डॉलर रहा।

मोबाइल रिचार्ज हो सकता है महंगा!: एयरटेल के सीईओ

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारती एयरटेल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोपाल विट्टल ने कहा कि देश के दूरसंचार उद्योग में शुल्क दरें दुनिया के अन्य देशों की तुलना में 'काफी कम है। उन्होंने रिटर्न अनुपात बढ़ाने के लिए शुल्क दरों में बढ़ोतरी की वकालत की यानि कि मोबाइल रिचार्ज महंगा हो सकता है। एयरटेल के चौथी तिमाही के वित्तीय नतीजों के बारे में जानकारी देने के दौरान विट्टल ने कहा कि वह वोडाफोन आइडिया की हाल की पूंजी वृद्धि को देखकर खुश हैं। उन्होंने कहा कि बाजार में सक्रिय तीन निजी कंपनियों के साथ देश में लोगों को अच्छी दूरसंचार सेवाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा ?कि उद्योग को वास्तव में जिस रिटर्न की आवश्यकता है, वह शुल्क दर में वृद्धि पर आधारित है। यह वास्तव में आज की समस्या के मूल में है। हमारी कीमत और शुल्क दरें दुनिया के किसी भी अन्य हिस्से की तुलना में बेहद कम स्तर पर हैं। इसलिए, रिटर्न अनुपात में सुधार के लिए शुल्क दर को बढ़ाना जरूरी है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह किस तकनीक से आता है। विट्टल ने प्रतिद्वंद्वी वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) के बड़े पैमाने पर कोष जुटाने के बारे में कहा कि वह यह देखकर खुश हैं कि वीआईएल ने पैसा जुटाया है और वह उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।

अप्रैल में देश से निर्यात 5 महीने में सबसे कम

- वस्तु आयात 10.25 फीसदी बढ़कर 54.09 अरब डॉलर हुआ

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। लाल सागर संकट जैसे भू-राजनीतिक तनाव और जिंसों की कीमतों में नरमी से इस साल अप्रैल में भारत से वस्तु निर्यात का मूल्य घटकर 5 महीने में सबसे कम रहा। वाणिज्य विभाग द्वारा जारी आकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष के पहले महीने में भारत से वस्तु निर्यात पिछले साल अप्रैल की तुलना में 1 फीसदी घटकर 34.99 अरब डॉलर रहा। मगर वस्तु आयात 10.25 फीसदी बढ़कर 54.09 अरब डॉलर पहुंच गया। निर्यात घटने और आयात बढ़ने के कारण व्यापार घाटा उछलकर 19.1 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले पांच महीनों में सबसे बड़ा आंकड़ा है। आयात में इजाफे का असली कारण पेट्रोलियम उत्पाद हैं। देश के कुल आयात में पेट्रोलियम उत्पादों की हिस्सेदारी करीब 32 फीसदी है। इस साल अप्रैल में पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात करीब 20 फीसदी बढ़कर 16.64 अरब डॉलर रहा। सोने का आयात भी तीन गुना होकर 3.1 अरब डॉलर पहुंच गया। इलेक्ट्रॉनिक्स का आयात इस साल अप्रैल में पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 10 फीसदी बढ़कर 7.05 अरब डॉलर रहा। पेट्रोलियम और रत्नाभूषण के अलावा माल का आयात 2 फीसदी बढ़कर 32.72 अरब डॉलर रहा। पेट्रोलियम और रत्नाभूषण के अलावा होने वाले निर्यात से ही देश के निर्यात की स्थिति का सही पता चलता है। इस श्रेणी के उत्पादों का निर्यात इस साल अप्रैल में 1.32 फीसदी बढ़कर 26.77 अरब डॉलर रहा। कुल मिलाकर अप्रैल 2024 में देश के 30 क्षेत्रों में से 17 के उत्पादों का निर्यात घटा है। भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्द्धन परिषद के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद चार महीने तक सकारात्मक वृद्धि रही। इसके बाद प्रमुख बाजारों में मांग कमजोर होने और लाल सागर में संकट के कारण माल की आवाजाही प्रभावित होने से इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात घटा है। उन्होंने कहा ?कि हाल के हफ्तों में वैश्विक आर्थिक तस्वीर सुधरती दिखी है, जिससे व्यापार बढ़ना चाहिए। इस साल अप्रैल में सेवाओं का निर्यात 14.3 फीसदी बढ़कर 29.57 अरब डॉलर रहा और उनका आयात 21.5 फीसदी बढ़कर 16.97 अरब डॉलर हो गया, जिससे इस श्रेणी के निर्यात में 12.6 अरब डॉलर का अधिशेष है। मगर अप्रैल का सेवा निर्यात का आंकड़ा अनुमानित है, जिसे भारतीय रिजर्व बैंक से आने वाले आंकड़ों के आधार पर संशोधित किया जाएगा।

पाकिस्तान में सुखदेव को राष्ट्रीय नायक और स्कूल के पाठयक्रम में शामिल करने की मांग

-लाहौर हाईकोर्ट के वकीलों ने सुखदेव की 117वीं जयंती मनाई

लाहौर,(ईएमएस)। पाकिस्तान हमेशा ही भारत विभाजन से पहले के इतिहास को नकारता रहा है, जो दोनों देशों में एक साझी संस्कृति रही है। वहीं पाकिस्तान में ही एक वर्ग ऐसा है, जो भगत सिंह, महाराजा रणजीत सिंह जैसे नायकों को सम्मान देने की मांग करता रहा है। इस बीच लाहौर हाईकोर्ट में सुखदेव की जयंती मनाई गई, जिन्हें भगत सिंह और राजगुरु के साथ ही लाहौर जेल में फांसी दी गई थी। यह कार्यक्रम लाहौर हाईकोर्ट के वकीलों ने आयोजित किया था, जिसमें सुखदेव को याद किया गया। इस दौरान वकीलों ने पाकिस्तान सरकार से मांग की कि सुखदेव को स्कूल के पाठयक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। उन्हें राष्ट्रीय नायक घोषित करना चाहिए।

ये सभी वकील भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन से जुड़े हैं, जिसका गठन शहीदों की याद में किया गया था। हाईकोर्ट के वकीलों ने बुधवार को सुखदेव की 117वीं जयंती के मौके पर लाहौर हाईकोर्ट परिसर में केक काटकर सुखदेव की जयंती मनाई। इस मौके पर एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें मांग की गई कि सुखदेव के नाम पर लाहौर में एक सड़क बनाई जानी चाहिए। इसके अलावा सुखदेव के नाम पर डाक टिकट और स्कूली किताबों में उन पर एक चैप्टर शामिल किया जाना चाहिए।

सुखदेव का जन्म 15 मई, 1907 को पंजाब के लुधियाना में हुआ था। भगत सिंह फाउंडेशन के चेयरमैन इम्तियाज रशीद कुरैशी ने कहा कि हम लोग इन सभी स्वतंत्रता सेनानियों की जयंती और पुण्यतिथि को मनाते हैं। हमारी पाकिस्तान सरकार से मांग है कि इन लोगों के बलिदानों को समझते हुए उन्हें राष्ट्रीय नायक घोषित किया जाए।

बता दें कि 23 मार्च, 1931 को भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को लाहौर में फांसी दी गई थी। आज भी भगत सिंह के नाम पर लाहौर में स्मारक है। भगत सिंह को पहले उम्रकैद की सजा मिली थी, लेकिन फिर साजिश के तहत उसे फांसी में बदल दिया गया था। भगत सिंह का सम्मान भारत में ही नहीं पाकिस्तान में किया जाता है। भगत सिंह फाउंडेशन ने पीएम शहबाज शरीफ से मांग की कि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को राष्ट्रीय नायक घोषित किया जाए।

बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में हुई रिसर्च में कोवीशील्ड के बाद कोवैक्सिन से साइड इफेक्ट्स का दावा

स्टडी में सांस का इन्फेक्शन, ब्लड क्लॉटिंग के मामले दिखे

कोवीशील्ड-कोवैक्सिन के साइड इफेक्ट से दहशत

-भारत बायोटेक ने कोवैक्सिन बनाई है, देश में लगे हैं इसके 36 करोड़ डोज

नई दिल्ली(ईएमएस)। कोवीशील्ड के बाद भारत बायोटेक की कोरोना वैक्सीन- कोवैक्सिन के भी साइड इफेक्ट्स हैं। कोवीशील्ड-कोवैक्सिन के साइड इफेक्ट सामने आने के बाद से लोगों में दहशत है। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में हुई स्टडी में हिस्सा लेने वाले लगभग एक तिहाई लोगों में कोवैक्सिन के साइड इफेक्ट्स देखे गए हैं। स्टडी में हिस्सा लेने वाले लोगों में सांस संबंधी इन्फेक्शन, ब्लड क्लॉटिंग और स्किन से जुड़ी बीमारियां देखी गईं। शोधकर्ताओं ने पाया कि टीनएजर्स, खास तौर पर किशोरियों और किसी भी एलर्जी का सामना कर रहे लोगों को कोवैक्सिन से खतरा है। हालांकि, कुछ दिन पहले कोवैक्सिन बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक ने कहा था कि उनकी बनाई हुई वैक्सीन सुरक्षित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कोवैक्सिन के दो डोज लगवाए थे।

ब्रिटिश-स्वीडिश फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका की कोविड-19 वैक्सीन से एक और गंभीर बीमारी के खतरे का पता चला है। रिसर्च में दावा किया गया है कि वैक्सीन लगाने के चलते इम्यून थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया और थ्रॉम्बोसिस हो सकते हैं। हालांकि, खून का थक्का जमाने वाला ये रेयर डिसऑर्डर (किसी-किसी को होने वाला) है, लेकिन खतरनाक है। रिसर्चर्स का ये भी कहना है कि यह कोई नया डिसऑर्डर नहीं है। 2021 में कोरोना काल में एस्ट्राजेनेका के फॉर्मूले पर भारत में कोवीशील्ड और यूरोप में वैक्सजेवरिया वैक्सीन बनाई गई। इससे पहले फरवरी में एस्ट्राजेनेका ने ब्रिटिश कोर्ट में बताया था कि उनकी कोविड-19 वैक्सीन के खतरनाक साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। तब कंपनी ने माना था कि उसकी कोरोना वैक्सीन से कुछ मामलों में थ्रॉम्बोसिस थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम हो सकता है। इस बीमारी से शरीर में खून के थक्के जम जाते हैं और प्लेटलेट्स की संख्या गिर जाती है।

7 मई को एस्ट्राजेनेका ने दुनियाभर में अपनी कोविड-19 वैक्सीन की खरीद-बिक्री बंद करने का फैसला लिया। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने कहा कि अब वैक्सीन की मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई नहीं की जा रही है।

सांस संबंधी इन्फेक्शन बढ़ रहा

स्टडी करने वाले शंख शुभ्रा चवर्ती ने कहा कि हमने उन लोगों का डेटा कलेक्ट किया जिन्हें वैक्सीन लगे एक साल हो गया था। 1,024 लोगों पर स्टडी हुई। इनमें से 635 किशोर और 291 वयस्क शामिल थे। स्टडी के मुताबिक, 304 (47.9 प्रतिशत) किशोरों और 124 (42.6 प्रतिशत) वयस्कों में सांस संबंधी इन्फेक्शन (अपर रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन) देखे गए। इससे लोगों में सर्दी, खांसी जैसी समस्याएं देखी गईं।

स्किन से जुड़ी बीमारियां देखी गईं

स्टडी में पाया गया कि स्टडी में हिस्सा लेने वाले टीनएजर्स में स्किन से जुड़ी बीमारियां (10.5 प्रतिशत), नर्वस सिस्टम से जुड़े डिसऑर्डर (4.7 प्रतिशत) और जनरल डिसऑर्डर (10.2 प्रतिशत) देखे गए। वहीं, वयस्कों में जनरल डिसऑर्डर (8.9 प्रतिशत), मांसपेशियों और हड्डियों से जुड़े डिसऑर्डर (5.8 प्रतिशत) और नर्वस सिस्टम से जुड़े डिसऑर्डर (5.5 प्रतिशत) देखे गए।

गुलियन बेरी सिंड्रोम भी हो सकता है

कोवैक्सिन के साइड इफेक्ट्स पर हुई स्टडी में 4.6 प्रतिशत किशोरियों में मासिक धर्म संबंधी असामान्यताएं (अनियमित पीरियड्स) देखी गईं। प्रतिभागियों में आंखों से जुड़ी असामान्यताएं (2.7 प्रतिशत) और हाइपोथायरायडिज्म (0.6 प्रतिशत) भी देखा गया। वहीं, 0.3 प्रतिशत प्रतिभागियों में स्ट्रोक और 0.1 प्रतिशत प्रतिभागियों में गुलियन बेरी सिंड्रोम की पहचान भी हुई। गुलियन बेरी सिंड्रोम एक ऐसी बीमारी है जो लकवे की ही तरह शरीर के बड़े हिस्से को धीरे-धीरे निशक्त कर देती है। अमेरिका के नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर एंड स्ट्रोक के मुताबिक, गुलियन बेरी सिंड्रोम एक रेयर न्यूरोलॉजिकल बीमारी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि स्टडी में हिस्सा लेने वाले जिन टीनएजर्स और महिला वयस्कों को पहले से कोई एलर्जी थी और जिन्हें वैक्सीनेशन के बाद टाइफाइड हुआ उन्हें खतरा ज्यादा था।

भारत बायोटेक ने कहा था- कोवैक्सिन के चलते किसी बीमारी का केस सामने नहीं आया

2 मई को कंपनी ने कहा था कि कोवैक्सिन की सुरक्षा का मूल्यांकन देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने किया था। कोवैक्सिन बनाने से लगाने तक लगातार इसकी सेफ्टी मॉनिटरिंग की गई थी। कोवैक्सिन के ट्रायल से जुड़ी सभी स्टडीज और सेफ्टी फॉलोअप एक्टिविटीज से कोवैक्सिन का बेहतरीन सेफ्टी रिकॉर्ड सामने आया है। अब तक कोवैक्सिन को लेकर ब्लड क्लॉटिंग, थ्रॉम्बोसाइटोपीनिया, टीटीएस, वीआईटीटी, पेरिकार्डिटिस, मायोकार्डिटिस जैसी किसी भी बीमारी का कोई केस सामने नहीं आया है। कंपनी ने कहा था कि अनुभवी इनोवेटर्स और प्रोडक्ट डेवलपर्स के तौर पर भारत बायोटेक की टीम यह जानती थी कि कोरोना वैक्सीन का प्रभाव कुछ समय के लिए हो सकता है, पर मरीज की सुरक्षा पर इसका असर जीवनभर रह सकता है। यही वजह है कि हमारी सभी वैक्सीन में सेफ्टी पर हमारा सबसे पहले फोकस रहता है।

ऐसा क्या कह दिया योगेंद्र यादव ने, कि मोदी-शाह की बढ़ी टेंशन......विरोधी हुए खुश

राजनैतिक वर्कर हूं....जमीन की बात कर रहा हूं

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के 4 चरण पूरे हो चुके हैं। अब सिर्फ तीन चरणों की कहानी बाकी है। इसके बाद 4 जून को साफ हो जाएगा कि देश की कमान किसके हाथों में होगी। इंडिया गठबंधन अब तक पूरे हुए 4 चरणों और वोटिंग प्रतिशत से काफी खुश दिख रहा है। विरोधियों का मानना है कि मोदी सरकार की अब जाने वाली है। दूसरी ओर एनडीए 400 पार के अपने दावे पर कायम है, लेकिन इस बीच राजनीतिक विश्लेषक योगेंद्र यादव का अनुमान बीजेपी और एनडीए को टेंशन दे सकता है। योगेंद्र यादव ने दावा किया है कि 4 चरण की वोटिंग के बाद एनडीए का आंकड़ा 272 से नीचे जा चुका है। उन्होंने यह सारी बात एक इंटरव्यू के दौरान कही हैं।

योगेंद्र यादव ने कहा कि मैं राजनैतिक वर्कर हूं और राजनीतिक कार्यकर्ता झूठ नहीं बोलते। उन्होंने कहा कि मैं कोई एग्जिट पोल या हवा में दावा नहीं कर रहा हूं। मैं यह सब ग्राउंड पर जाकर, कई जगह घूमने, लिखने, सुनने और लोगों से बात करने के बाद बता रहा हूं। यादव ने कहा कि चुनाव शुरु होने से पहले मैंने अनुमान लगाया था कि इस बार इसकी बहुत उम्मीद हैं कि बीजेपी 250 से नीचे रह सकती है। हालांकि इस बात को लेकर मैं बहुत आश्वस्त नहीं था। जब मैंने घूमना शुरू किया, लोगों से बात की और सुना तब मैं अपने निष्कर्ष पर पहुंचा।

यादव ने बताया कि बीजेपी यह सोच रही है कि वह 2019 के भी नंबर को भी पार करेगी, लेकिन वह गलत है। जो मैंने ग्राउंड पर जाकर देखा और लोगों से बात की, उसके बाद बीजेपी 250 के भी नीचे रहेगी और एनडीए 268 सीट तक जाएगी। बीजेपी 250 से कितना नीचे रहती है, वह एक डिबेट का विषय हो सकता है। यादव ने आगे कहा कि मैं अपनी तरफ से साफ कर दूं कि एनडीए तीसरी बार सत्ता में नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि संकट तब इसका भी है कि एनडीए बहुमत भी साबित कर पाएगी या नहीं।

झड़प का नया वीडियोः भारतीय सैनिकों पर हमला करते दिखे जिनपिंग के पिट्ठू

बीजिंग(ईएमएस)। चीन को फिंगर-4 में हुए संघर्ष के दौरान बेहतर सड़क कनेक्टिविटी और गाड़ियों/नावों की संख्या का लाभ मिला। इससे चीनी सैनिक संघर्ष वाली जगह पर जल्द पहुंच गए और अपने से कम संख्या में मौजूद भारतीय सैनिकों पर हमला कर दिया। चीनी सैनिकों ने पहाड़ी की चोटी से कई भारतीय सैनिकों को धक्का दे दिया और उन पर पत्थर भी फेंके। इस दौरान भारतीय सैनिकों ने भी लाठी-डंडों और पत्थरों से चीनी सैनिकों का मुकाबला किया और उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। हालांकि, इस संघर्ष में कई भारतीय सैनिकों को गंभीर चोटें आईं। चीन ने 2020 में लद्दाख के पैंगोंग त्सो झील के पास भारतीय सेना के साथ हुई झड़प का एक नया वीडियो जारी किया है। इस प्रॉपगैंडा वीडियो में चीनी सैनिकों को भारतीय सैनिकों पर हमला करते हुए दिखाया गया है। इस वीडियो को पैंगोंग त्सो के फिंगर 4 पर फिल्माया गया है। वीडियो में चीनी सैनिकों के मुकाबले भारतीय सैनिकों की संख्या कम दिखाई दे रही है। इसके बावजूद भारतीय सैनिकों ने बहादुरी से चीनी सैनिकों का मुकाबला किया।

वीडियो में चीनी सेना की बोट, गाड़ियां और लाठी-शील्ड से लैस सैनिक दिखाई दे रहे हैं। ये सैनिक एक दूसरे पर पत्थरों से हमला करते नजर आ रहे हैं। पैंगोंग सो लद्दाख में 14 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित एक लंबी, संकरी और गहरी झील है। यह चारों तरफ से जमीन से घिरी हुई है। यह झील रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। दोनों देश लगातार इस झील के आसपास के इलाकों में पेट्रोलिंग करते रहते हैं। 1962 में चीन ने इसी इलाके में भारत पर मुख्य हमला बोला था। पैंगोंग त्सो झील चुशुल अप्रोच के रास्ते में पड़ती है। ऐसे में चीन अगर भविष्य में कभी भारतीय क्षेत्र पर हमले की हिमाकत करता है तो चुशुल अप्रोच का इस्तेमाल करेगा क्योंकि इसका रणनीतिक महत्व है। पैंगोंग सो झील के उत्तर और दक्षिण की तरफ से चीन के आक्रमण की आशंका हमेशा बनी रहती है।पैंगोंग त्सो का दो तिहाई इलाका चीन के कब्जे में है। इस झील के किनारे उंगलियों की शक्ल में आठ पहाड़ियां निकली हुई हैं, इन्हें फिंगर्स के नाम से जाना जाता है। 2020 के पहले तक भारतीय सेना फिंगर-4 से फिंगर-8 तक पेट्रोनिंग करती थी।

कैमरून में अलगाववादी हमले में दो सैनिक और दो नागरिक मारे गए

याउंडे (ईएमएस)। कैमरून के युद्धग्रस्त अंग्रेजी भाषी क्षेत्र उत्तर-पश्चिम में एक अलगाववादी हमले में दो सुरक्षा सैनिक और दो नागरिक मारे गए है। एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि अलगाववादी लड़ाकों ने क्षेत्र के बंबुई इलाके में कैमरून सुरक्षा के दो सदस्यों पर घात लगाकर हमला किया। अधिकारी ने बताया, सैनिक एक बार में शराब पी रहे थे और वहां से निकलने वाले थे तभी छिपे हुए अलगाववादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद हुई झड़प में दो सैनिक, बार मालिक और एक महिला की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि झड़प में 26 वर्षीय एक महिला घायल हो गई। महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

चीन में भूकंप के झटके

बीजिंग (ईएमएस)। चीन के पापुआ न्यू गिनी क्षेत्र में गुरुवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के अनुसार करीब 03:48 बजे आये भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.4 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से 10.0 किलोमीटर की गहराई में 7.10 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 148.47 डिग्री पूर्वी देशांतर में था।

न्यायाधीशों के रूप में हम न तो राजकुमार हैं और न ही राजा हैंः सीजेआई

ब्रासीलिया(ईएमएस)। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि न्यायाधीश मुख्य रूप से लोगों की सेवा करने वाला और अधिकार दिलाने वाले होते हैं। क्योंकि न्यायाधीशों के रूप में हम न तो राजकुमार हैं और न ही राजा हैं। उन्होंने जी-20 देशों के मुख्य न्यायाधीशों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा डिजिटल परिवर्तन और न्यायिक दक्षता बढ़ाने के लिए तकनीक के उपयोग विषय पर बोलते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने ये बाते कही हैं। उन्होंने कहा, न्यायाधीशों के रूप में हम न तो राजकुमार हैं और न ही राजा हैं। जजों की यह जिम्मेदारी है कि कोर्ट के फैसलों को समझने योग्य बनाया जाए। इस बात की संभावना है कि उनका यह बयान सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के पिछले निर्णयों को पढ़ने के उनके अनुभव की उपज है। आपको बता दें कि अदालतों के द्वारा स्पष्ट रूप से लिखे जाने के बावजूद अधिकांश औसत शिक्षित लोगों के लिए कोर्ट के फैसलों को पढ़ना मुश्किल होता है। इसका प्रमुख उदाहरण 1973 का ऐतिहासिक केशवानंद भारती फैसला है।

सीजेआई ने कहा कि न्यायाधीश मुख्य रूप से लोगों की सेवा करने वाला और अधिकार दिलाने वाले होते हैं। कानून के शासन द्वारा शासित समाज को सुनिश्चित करना उनका मुख्य कर्तव्य है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने रियो डी जनेरियो शिखर सम्मेलन में निर्णयों में पारदर्शिता और समझने की योग्यता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस दौरान भारतीय न्यायपालिका में प्रौद्योगिकी की प्रगति पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ''भारतीय अदालतों की पुनर्कल्पना अब थोपे गये साम्राज्य के बजाय विमर्श की लोकतांत्रिक व्यवस्था के रूप में की गई हैं। कोविड-19 महामारी के कारण अदालतों की व्यवस्थाओं को रातों-रात बदलना पड़ा। उन्होंने मुकदमे से जुड़ें पक्षों और कम कनेक्टिविटी वाले स्थानों के बीच डिजिटल विभाजन और प्रतिनिधित्व संबंधी विषमता पर भी बात की। इन विषमताओं को अड़चनें बताते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''हमें इनसे निपटना होगा। जब हम न्यायिक दक्षता की बात करते हैं, तो हमें न्यायाधीश की दक्षता से परे हटकर देखना चाहिए और समग्र न्यायिक प्रक्रिया के बारे में सोचना चाहिए।

भारत चांद पर उतर रहा है और पाकिस्तान गटर में गिरता नजर आ रहा हैः पाक सांसद

इस्लामाबाद(ईएमएस)। पाकिस्तान नेशनल असेंबली के सदस्य सैयद मुस्तफा कमाल ने भारत के चंद्रमा लैंडिंग मिशन का जिक्र करते हुए भारत की उपलब्धियों और कराची के खस्ता हालात के बीच तुलना की है। भारत चांद पर, हमारे बच्चे गटर में ..मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) नेता सैयद ने नेशनल असेंबली में दिए एक भाषण में कहा कि जहां भारत चांद पर उतर रहा है, वहीं कराची खुले गटर में गिरकर बच्चों के मारे जाने की खबर बना रहा है।असेंबली में भाषण देते हुए पाक सांसद ने आगे कहा,आज कराची में हालत ये है कि जहां दुनिया चांद पर जा रही है, वहीं कराची में बच्चे गटर में गिरकर मर रहे हैं। उसी स्क्रीन पर खबर आ रही है कि भारत चांद पर उतरा है और ठीक दो सेकेंड बाद खबर यह है कि कराची में खुले गटर में एक बच्चे की मौत हो गई।

उन्होंने कहा कि कराची में 70 लाख और पाकिस्तान में 2.6 करोड़ से अधिक बच्चे हैं, जो स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। सैयद ने कहा कि वैसे तो कराची पाकिस्तान का राजस्व इंजन है, लेकिन अब उसे साफ पानी तक नसीब नहीं है। पाक सांसद ने आगे कहा कि अपनी स्थापना के बाद से पाकिस्तान में दो बंदरगाह चालू हैं और दोनों कराची में हैं। कराची पूरे पाकिस्तान, मध्य एशिया से लेकर अफगानिस्तान तक का प्रवेश द्वार हैं। 15 वर्षो से कराची को थोड़ा सा भी ताजा पानी नहीं मिल रहा है, यहां तक कि जो पानी आता है उसे भी टैंकर माफिया जमा कर लेते है और बेचने लगते हैं।वहीं, दूसरी ओर पिछले साल अगस्त में भारत का चंद्रयान-3 लैंडर चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित रूप से पहुंचने वाला देश का पहला अंतरिक्ष यान बन गया। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला दुनिया का पहला देश भी बन गया।

स्लोवाकिया के पीएम रॉबर्ट फिको की हालत गंभीर, भारत से लेकर अमेरिका ने की हमले की निंदा

लंदन (ईएमएस)। बीते रोज स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर एक युवक ने ताबड़तोड़ गोलिया चला दीं। इससे उनके सीने और पेट में गोली लगी है। उनकी हालत गंभीर है और अस्पताल में इलाज चल रहा है। हालांकि आरोपी को पकड़ लिया गया है। इधर पूरी दुनिया के कई देशों ने इस घटना को कायरतापूर्ण बताते हुए उनके जल्द ठीक होने की कामना की है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी गुरुवार को अपने स्लोवाकिया समकक्ष रॉबर्ट फिको पर हत्या के प्रयास पर दुख व्यक्त किया और इसे कायरतापूर्ण और कायरतापूर्ण कृत्य बताया।एक्स पर एक पोस्ट में मोदी ने कहा, स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर गोलीबारी की खबर से गहरा सदमा पहुंचा। मैं इस कायरतापूर्ण कृत्य की कड़ी निंदा करता हूं और पीएम फिको के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। भारत स्लोवाक गणराज्य के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि वह यह सुनकर स्तब्ध थे कि स्लोवाक के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको बुधवार को एक गोलीबारी की घटना में घायल हो गए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सुनक ने लिखा, यह भयानक खबर सुनकर हैरान हूं। हमारी संवेदनाएं प्रधानमंत्री फिको और उनके परिवार के साथ हैं।इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने भी स्लोवाकिया के राष्ट्रप्रमुख के खिलाफ हिंसा के कृत्य की निंदा करने के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया।जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा, स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर हमला भयावह है। हम अपने पड़ोसी भागीदार राज्य के सरकार के प्रमुख के खिलाफ हिंसा के इस कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए कि हिंसा किसी भी देश, रूप या क्षेत्र में आदर्श न बन जाए। हमें पूरी उम्मीद है कि रॉबर्ट फिको जल्द ही ठीक हो जाएंगे और स्लोवाकिया के लोगों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करेंगे।

रोमानियाई राष्ट्रपति क्लॉस लोहानिस ने भी स्लोवाक पीएम पर हमले की निंदा की और उनके पूर्ण और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। लोहानिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, स्लोवाक के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको की गोलीबारी के बारे में जानकर स्तब्ध हूं। मैं उनके पूर्ण एवं शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मैं ऐसे चरमपंथी कृत्यों की कड़ी निंदा करता हूं, जो हमारे मूल यूरोपीय मूल्यों को खतरे में डालते हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी हमले की कड़ी निंदा की और उनके साथ एकजुटता जताई। मैक्रों ने कहा, स्लोवाक प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर गोली मारने की खबर से स्तब्ध हूं। मैं इस हमले की कड़ी निंदा करता हूं। मेरी संवेदना और एकजुटता उनके, उनके परिवार और स्लोवाक लोगों के साथ है।वहीं, जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने इसे कायराना हमला करार दिया और कहा कि यूरोप की राजनीति में हिंसा नहीं होनी चाहिए।

रिपोर्ट के अनुसार, स्लोवाकिया के चार बार के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको बुधवार (स्थानीय समय) को हैंडलोवा में एक शूटिंग की घटना में घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना हैंडलोवा में एक सरकारी बैठक के बाद हुई। घटना के बाद स्लोवाकिया के विदेश और यूरोपीय मामलों के मंत्रालय ने रॉबर्ट फिको पर हिंसक हमले की पुष्टि की। हैंडलोवा विशेष रूप से स्लोवाकिया के ट्रेंसिन क्षेत्र में एक खनन शहर है, जहां, सांस्कृतिक घर के बाहर, जहां एक सरकारी बैठक आयोजित की गई थी, शूटर ने पीएम फिको पर गोलीबारी की। इमारत के बाहर अपने समर्थकों के साथ फीको की बातचीत के दौरान कई गोलियों की आवाजें सुनी गईं और कुछ समय बाद, जब फीको को गोली मारी गई, तो वह जमीन पर गिर गया।

छात्रवृत्ति छात्र की मां के खाते में जमा की जाएगी

गुजरात सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र के लिए दो नई योजनाएं शुरू की गई है

कक्षा ९ से १२ तक के छात्रों की मदद के लिए घोषणा, छात्रवृत्ति मिलने पर भी छात्रों को नमो लक्ष्मी योजना का लाभ मिलेगा ।

गांधीनगर, १६ मई ।

गुजरात सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र के लिए दो नई योजनाएं शुरू की गई हैं, जो विशेष रूप से लड़कियों को समर्पित हैं । १६५० करोड़ की लागत वाली इन योजनाओं में पहला नाम लक्ष्मी और दूसरा नाम सरस्वती है । ये दोनों योजनाएं लड़कियों की शिक्षा से संबंधित हैं और उन्हें उनकी पढ़ाई के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए शुरू की गई हैं । स्कूली छात्राओं को छात्रवृत्ति दिलाने के लिए अहमदाबाद डीईओ ग्राम्य का एक परिपत्र प्रसारित किया गया है ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष २०४७ में विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया है, जिसे पूरा करने के उद्देश्य से गुजरात के विद्यार्थियों को अमरत्व में उच्च गुणवत्ता वाली भविष्योन्मुखी शिक्षा मिलेगी, इसके लिए वर्ष २०२४-२५ के बजट में शिक्षा क्षेत्र विभिन्न योजनाएं शुरू करने की घोषणा की गई ।

नमो लक्ष्मी और नमो सरस्वती विज्ञान साधना योजना शुरू करने के लिए परिपत्र की घोषणा की गई है । योजना के अनुसार छात्रवृत्ति छात्र की मां के खाते में जमा की जाएगी । छात्रों को छात्रवृत्ति पोर्टल शुरू करने से पहले आवश्यक प्रमाण एकत्र करने का निर्देश दिया जाता है । स्कूलों को १० दिन के अंदर दस्तावेज जमा करने का निर्देश दिया गया है. दोनों योजनाओं को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है कि जानकारी छात्रों और अभिभावकों तक पहुंचे । योजना के लिए पोर्टल लॉन्च होने पर विद्या समीक्षा केंद्र के सीटीएस पर पंजीकरण करने के निर्देश दिए जाते हैं।

राज्य के माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाली लड़कियों के लिए कक्षा ९ से १२ तक की पढ़ाई पूरी करने के उद्देश्य से लड़कियों के लिए नमो लक्ष्मी योजना शुरू की गई है । कक्षा ९ से १२ तक की पढ़ाई पूरी करने वाली प्रत्येक लड़की को नमो लक्ष्मी योजना के तहत रू. ५०,००० की वित्तीय सहायता दी जाएगी । इस योजना से राज्य के सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों में कक्षा ९ से १२ तक पढ़ने वाली अनुमानित १० लाख लड़कियों को लाभ होगा । इस योजना से कक्षा ९ से १२ तक लड़कियों का नामांकन बढ़ेगा और इन कक्षाओं में लड़कियों की स्कूल छोड़ने की दर में कमी आएगी और साथ ही उनकी शिक्षा और पोषण में मदद मिलेगी जिससे लड़कियां सशक्त होंगी । नमो लक्ष्मी योजना के लिए गुजरात बजट २०२४-२५ में अनुमानित रू. १२५० करोड़ का प्रावधान किया गया है । राज्य सरकार द्वारा वर्ष २०२४-२५ से कक्षा ११-१२ में विज्ञान स्ट्रीम में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान साधना योजना शुरू की जा रही है । विज्ञान साधना योजना के तहत, जिस छात्र ने कक्षा १० की बोर्ड परीक्षा ५०% से अधिक अंकों के साथ उत्तीर्ण की है, उसे गुजरात माध्यमिक और उच्चतर बोर्ड से संबद्ध राज्य सरकार, सहायता प्राप्त और स्व-सहायक स्कूलों में कक्षा ११-१२ में विज्ञान में प्रवेश दिया जाएगा । माध्यमिक शिक्षा और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से मान्यता प्राप्त स्कूलों को प्रवेश पर कुल २५,००० रुपये की सहायता दी जाएगी । नमो सरस्वती विज्ञान साधना योजना के तहत गुजरात बजट २०२४-२५ में अनुमानित रू. ४०० करोड़ प्रदान किए गए हैं ।

10वीं और 12वीं कक्षा की पूरक परीक्षा की तारीख का ऐलान

अहमदाबाद (ईएमएस) 10वीं और 12वीं की सप्लीमेंट्री परीक्षा को लेकर अहम खबर सामने आई है। कक्षा 10वीं और 12वीं कक्षा की पूरक परीक्षा 24 जून से आयोजित की जाएगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा तारीख की घोषणा कर दी गई है। विस्तृत कार्यक्रम की घोषणा बोर्ड द्वारा की जाएगी। गौरतलब है कि इस साल ही पूरक परीक्षा के विषयों की संख्या बढ़ाई गई है। गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक प्रमाण पत्र परीक्षा विनियम 2005 के विनियमन 16 (1) के प्रावधान के अनुसार, कक्षा -10, कक्षा -12 सामान्य स्ट्रीम, व्यावसायिक स्ट्रीम, हायर नॉर्थ बेसिक स्ट्रीम और साइंस स्ट्रीम के साथ-साथ संस्कृत प्रथमा और संस्कृत मध्यमा के लिए पूरक परीक्षा 24/06/2024 से आयोजित की जाएगी। कक्षा-10, कक्षा-12 सामान्य स्ट्रीम, वोकेशनल स्ट्रीम, उच्च उत्तर बुनियादी स्ट्रीम और साइंस स्ट्रीम के लिए विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम जल्द ही घोषित किया जाएगा।

क्षत्रिय आंदोलन पर फिलहाल विराम, संकलन समिति ने कहा - हम किसी पार्टी के विरोधी नहीं

राजकोट (ईएमएस) राजकोट से भाजपा उम्मीदवार पुरुषोत्तम रूपाला के एक विवादित को लेकर शुरू हुए क्षत्रिय आंदोलन पर फिलहाल विराम लग गया है। हांलाकि क्षत्रिय समाज की संकलन समिति ने स्पष्ट किया है कि यह विराम है पूर्ण विराम नहीं। संकलन समिति के प्रवक्ता करणसिंह चावडा ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि हमारा किसी पार्टी से विरोध नही है। हमें अगर प्रतिनिधित्व नहीं मिलता है तो क्या करना? इस पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि जैसे कथा में विराम होता है वैसे ही हमारे आंदोलन को फिलहाल विराम दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कोई पूर्ण विराम नहीं है। उन्होंने कहा कि मतदान पूर्ण होने के बाद संकलन समिति और कोर कमेटी की बैठक हुई। जिसमें संकलन समिति के सभी 15 सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में व्यापक विचार विमर्श के बात आंदोलन पर विराम लगाने का फैसला किया गया है। चावडा ने कहा कि बैठक में आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा की गई। साथ ही आगामी चुनाव में हमारे प्रतिनिधि हों ऐसी भी मांग पर चर्चा की गई। इसके अलावा संकलन समिति ने क्षत्रिय समाज को सहयोग देनेवाले सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। करणसिंह चावडा ने कहा कि भाजपा का विरोध करने का मतलब यह नहीं कि हम किसी पार्टी का समर्थन करते हैं। हमारा आंदोलन चुनाव में हार जीत का नहीं था, हम केवल अपनी अस्मिता के लिए संघर्ष कर रहे थे और 25 दिनों तक भाजपा को बेचैन कर रखा। उन्होंने कहा कि क्षत्रिय समाज के 80 प्रतिशत लोगों ने भाजपा के खिलाफ मतदान किया है। हांलाकि चुनाव में कोई भी जीते या हारे हमारी अस्मिता की लड़ाई पर कोई आंच नहीं आएगी। संकलन समिति ने चेतावनी दी है कि आंदोलन से जुड़े क्षत्रिय अग्रणियों को परेशान किया गया तो आंदोलन फिर तेज

हाईकोर्ट ने वृद्ध दंपत्ति की क्वाशिंग पिटिशन ठुकराई, बहु-बेटे के अंतरंग पलों को लाइव किया था

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के एक बहुचर्चित एक मामले में हाईकोर्ट ने वृद्ध दंपत्ति की क्वाशिंग पिटिश को खारिज कर दिया है। साथ ही आदेश दिया है कि मामले की जल्द से जल्द सुनवाई करने का निचली कोर्ट को आदेश दिया है। यह मामला राजकोट का जहां एक सुखी-संपन्न परिवार की बहु की गरिमा तार तार कर दी गई थी। सास-ससुर ने निजी स्वार्थ और आर्थिक लाभ के लिए अपने बहु-बेटे के अंतरंग पलों को वेबसाइट पर लाइव किया था। जिसमें पीड़िता के पति ने शामिल था। इस मामल में गुजरात हाईकोर्ट में कंसेंट क्वाशिंग पिटिशन दाखिल की गी थी। हाईकोर्ट के न्यायधीश हसमुख सुथार कड़े रुख के साथ ना सिर्फ क्वाशिंग पिटिशन खारिज कर दी बल्कि निचली अदालत को मामले की जल्द से जल्द सुनवाई करने का आदेश भी दे दिया। न्यायधीश ने कहा कि सभ्य समाज और संस्कृति पर विपरीत असर डालने वाला और सामाजिक व आर्थिक अपराध होने की वजह से सास-ससुर के खिलाफ दर्ज मामला रद्द नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया कि आरोपियों के आपराधिक कृत्य ने पीड़िता के जीवन की स्वतंत्रता और गरिमा को चोट पहुंचाई है। इसलिए पीड़िता के अंतरंग दृश्य वायरल करने पर सास-ससुर और पति के खिलाफ मुकद्दमा चलाया जाना चाहिए। आरोपी पति औस ससुर ने अपने निजी स्वार्थ और आर्थिक लाभ के उद्देश्य से पीड़िता का शोषण कर उसकी नग्न तस्वीरें और पोर्न वीडिया बनाए थे। इस आपराधिक कृत्य से पीड़िता की गरिमा का हनन हुआ है और यह आरोपियों को पता था। बावजूद इसके आरोपियों ने महिल सम्मान को ठेस पहुंचाई है। महिला की गरिमा का हनन करनेवाला कोई भी कृत्य केवल गंभीर ही नहीं बल्कि नैतिक रूप से अनुचित है। मौजूदा दौर में महिलाओं के यौन शोषण के मामले दर्ज हो रहे हैं। ऐसे मामलों से निपटने के लिए भारत सरकार ने कड़े कानून बनाए हैं। ऐसे में इन कानूनों की सख्त से अमलीकरण होना चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा कि इस मामले में आरोपी पति, ससुर और सास ने घर की लक्ष्मी के साथ बिभत्स व्यवहार किया है। सभ्य समाज में गृह लक्ष्मी के तौर पर सम्मानित होनेवाली पुत्रवधु की सुरक्षा करने की नैतिक जिम्मेदारी निभाने में पति, ससुर और सास निष्फल रहे हैं। गौरतलब है कि राजकोट में 21 वर्षीय विवाहिता ने अपने पति, सास और ससुर के खिलाफ साइबर क्राइम पुलिस थाने में आईपीसी की धारा 356डी, आईटीएक्ट 114 के तहत एफआईआर दर्ज करवाई थी। जिसके आधार पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। गौर करनेवाली बात यह है कि परिवार साधन-संपन्न है और राजकोट की विख्यात होटल से जुड़ा हुआ था।

ब्लड कैंसर के जिंदगी की जंग हार गया सेना का जवान, दिवंगत का पैतृक गांव में अंतिम संस्कार

अमरेली (ईएमएस) जम्मू-कश्मीर में तैनात भारतीय सेना के एक जवान की ब्लड कैंसर के खिलाफ जिंदगी जंग हार गया। आज जवान का पार्थिव देह जब उसके पैतृक गांव पहुंचा तो लोगों की आंखें छलक आईं। बाद में पूरे सैनिक सम्मान के साथ सेना के जवान को अंतिम बिदाई दी गई। अमरेली जिले की राजूला तहसील के धारानास गांव निवासी रविराज धाखड़ा भारतीय सेना में सेवारत था। जम्मू-कश्मीर में तैनात रविराज को चालू डयूटी के दौरान ब्लड कैंसर की बीमारी पता चलने के बाद उनका दिल्ली के अस्पताल में इलाज चल रहा था। जहां उपचार के दौरान रविराज ने अंतिम सांस ली। सीमा पर दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देनेवाला भारतीय सेना का जवान ब्लड कैंसर के खिलाफ जिंदगी की जंग हार गया। सेना के जवान का पार्थिव देह जब राजूला शहर में पहुंचा तब सभी व्यापारियों ने 2 घंटे कामकाज बंद रख दिवंगत रविराज को श्रद्धाजंलि दी। अंतिम यात्रा जब निकली तो सभी की आंखें नम हो गईं। क्षत्रिय समेत सभी समाज के लोग बड़ी संख्या में अंतिम यात्रा में शामिल हुए। पूरे सैनिक सम्मान के साथ रविराज को अंतिम बिदाई दी गई। बताया जाता है कि इस वर्ष भाई और बहन की शादी होनेवाली थी। लेकिन उससे पहले रविराज ने दुनिया को अलविदा कर दिया।

वृद्ध को कुचलते हुए दुकान में घुसी तेज रफ्तार कार, वृद्ध की मौत

गिर सोमनाथ (ईएमएस) ऊना शहर से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। एक तेज रफ्तार कार दुकान के बाहर सो रहे वृद्ध को कुचलते हुए दुकान में घुस गई। इस हादसे में कार से कुचल कर वृद्ध की मौत हो गई। जबकि कार में सवार महिला व बच्चे समेत 9 लोग घायल हो गए। कार किसी डॉक्टर की होने की प्राथमिक जानकारी है। इसके अलावा कार से गुजरात सरकार लिखा एक बोर्ड भी मिला है। जानकारी के मुताबिक गिर सोमनाथ जिले के ऊना शहर में गार्डन के सामने स्थित कॉम्पलेक्स की दुकान के बाहर एक वृद्ध सो रहा था। उस वक्त अचानक तेज रफ्तार में एसयूवी कार निद्राधीन वृद्ध को कुचलते हुए दुकान में जा घुसी। इस घटना में वृद्ध की मौके पर ही मौत गई। जबकि कार में सवार बच्चे और महिल समेत 9 लोग घायल हो गए। बताया जाता है कि घटना के वक्त कार के रुफटोप पर बच्चा खड़ा था। एसयूवी कार किसी डॉक्टर की होने का अनुमान है। कार से गवर्नमेंट ऑफ गुजरात लिखा बोर्ड भी मिला है।

महिला आनंदनगर थाने पहुंची

पति कार्यस्थल पर पहुंच गया और अपनी पत्नी को सार्वजनिक रूप से पीटा

अहमदाबाद, १६ मई ।

शहर में रहने वाली एक लड़की को पहले उसके ससुराल वालों ने प्रताड़ित किया और बाद में आनंदनगर पुलिस के संवेदनहीन व्यवहार का शिकार हो गई । लड़की ने अपने व्हाट्सएप स्टेटस में उस शोरूम की फोटो अपलोड की थी जहां वह नौकरी के लिए गई थी । फोटो देखने के बाद उसका पति शोरूम पहुंचा और सरेआम पिटाई कर पिछली शिकायत वापस लेने की धमकी दी । बाद में जब लड़की आनंदनगर थाने गई तो पुलिस ने उसका बयान सुने बिना ही उसे बर्खास्त कर दिया ।

पुलिस ने इस मामले में आवेदन लिया, लेकिन कार्यालय ने पीड़िता को न्याय दिये बिना ही आवेदन खारिज कर दिया । एक तरफ ससुराल वालों का डर और दूसरी तरफ पुलिस ने छह महीने तक शिकायत दर्ज नहीं की और आखिरकार आनंदनगर पुलिस को उच्च अधिकारी के सामने पेश होकर कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा । जुहापुरा में रहने वाली २० वर्षीय युवती की शादी दो साल पहले फतेवाड़ी के एक युवक से हुई थी । शादी के बाद जब पति ने उसे पीटा तो लड़की ने अपनी मां को फोन किया । जब लड़की की मां अपनी बेटी के ससुर के पास पहुंची तो वेवई पक्ष के लोगों ने हंगामा कर दिया । वेजलपुर में एक शिकायत दर्ज की गई जहां पति और सास ने लड़की की मां के साथ मारपीट की । बाद में लड़की अपनी मां के घर रहने आ गई और नौकरी की तलाश में थी । गत ५ नवंबर को युवती सेल्सगर्ल की नौकरी के लिए प्रह्लादनगर स्थित एक बूट-स्लीपर शोरूम में गई थी । लड़की ने अपने व्हाट्सएप स्टेटस में उस शोरूम की तस्वीर लगाई और उसका पति वहां पहुंच गया । पति ने पत्नी को शोरूम के बाहर बुलाकर पीटा और वेजलपुर में दर्ज पुलिस शिकायत वापस लेने की धमकी दी । जैसे ही लड़की ने अपने पति की प्रताड़ना का सबूत अपने फोन में रखा तो उसके पति ने फोन भी तोड़ दिया । ऐसे में लड़की अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने कई बार आनंदनगर थाने पहुंची, लेकिन आनंदनगर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लड़की की शिकायत दर्ज नहीं की और केवल आवेदन लेकर कार्यालय भेज दिया । ऐसे में पुलिस और ससुराल वालों से तंग आकर लड़की अपनी मां के साथ उच्च पुलिस अधिकारी से मिलने पहुंची और आखिरकार उसे आनंदनगर पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के लिए मजबूर होना पड़ा । अब पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है ।

निर्णयनगर के अधेड़ व्यक्तिकी हत्या की गुत्थी सुलझ गयी

अहमदाबाद, १६ मई ।

अहमदाबाद से लापता एक अधेड़ व्यक्तिका शव बोपल थाना क्षेत्र के अंतर्गत एसपी रिंग रोड के पास एक सुनसान इलाके में मिला । पुलिस जांच में पता चला कि एक अधेड़ उम्र के शख्स की हत्या की गई है ।

यह बात सामने आने के बाद कि हत्यारा कोई और नहीं, बल्कि मृतक का साथी ही था, पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है । पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी को समलैंगिक संबंध बनाने की आदत है । ऐसे में उसने पुलिस के सामने स्वीकार कर लिया है कि रुपये के बदले में उसने हत्या की है । अहमदाबाद के रनिनयानगर में रहने वाले ५१ वर्षीय अधेड़ उम्र के नीलेशभाई वाघेला ११ तारीख को लापता हो गए । १३ तारीख को उनका शव एसपी रिंग रोड के पास सुनसान जगह पर मिला था । पहली नजर में पुलिस को कुछ अजीब सी बू आ रही थी । तो शव के पोस्टमॉर्टम के दौरान पता चला कि उसके सिर पर चोट पहुंचाने के बाद गला घोंटकर हत्या की गई है । तो भोपाल पुलिस को सबूत मिले कि मृतक नीलेशभाई का सहकर्मी रमेश धमोर घटनास्थल से एक्टिवा ले जा रहा था । इसलिए जब पुलिस ने रमेश धमोर को गिरफ्तार किया और पूछताछ की, तो उसने मृतक नीलेशभाई को १०,००० उधार दिए थे । वापस नहीं करने पर दोनों के बीच हुए झगड़े के बाद उन्होंने उसकी हत्या कर दी । हालांकि, आरोपी से आगे पूछताछ करने पर पता चला कि उसे समलैंगिक आदत है ।

इसलिए पुलिस जांच कर रही है कि इस घटना में ऐसी कोई बात है या नहीं । पुलिस के मुताबिक आरोपी रमेश धमोर मूलत: महीसागर के एक गांव का रहने वाला है । जब गांव के लोगों को पता चला कि उसके समलैंगिक संबंध हैं तो वह अहमदाबाद आ गया और वहीं काम करने लगा । इसी वजह से वह कई सालों से अपने गृहनगर भी नहीं गए हैं ।

पोइचा स्थित नर्मदा नदी में डूबे 7 में से 6 लोगों के शव मिले, एक अब भी लापता

नर्मदा (ईएमएस) सूरत के एक परिवार के लिए मंगलवार अमंगलकारी साबित हुआ था। परिवार के लोग नर्मदा जिले की नांदोद तहसील के पोइचा गांव स्थित नर्मदा नदी में नहाने गए थे। जहां 9 लोग नदी में डूबने लगे। आसपास मौजूद स्थानीय तैराकों ने दो लोगों को बचा लिया था। जबकि अन्य 7 लोगों की नदी में तलाश की जा रही थी। इस घटना में अब तक 6 लोगों के शव बरामद हो चुके हैं और एक व्यक्ति की तलाश अब भी जारी है। एनडीआरएफ की टीम लगातार तीसरे दिन तलाश कर रही है। अब तक बचाव दल ने डूबे सात लोगों में से 6 के शव बरामद कर लिए हैं। जबकि एक अन्य व्यक्ति की जांच की जा रही है। मंगलवार को हुई इस घटना का आज तीसरा दिन है। एनडीआरएफ की अलग-अलग टीमें इन डूबे हुए लोगों की इन तीन दिनों से तलाश कर रही हैं। 15 वर्षीय मैत्रा भरतभाई बलदानिया का शव आज मिला है। इससे पहले तीन अन्य शव मिल चुके हैं। कल शाम से ही वडोदरा से एनडीआरएफ की एक टीम भी मौके पर पहुंच गई और डूबे हुए लोगों की तलाश शुरू कर दी।

लिंकन फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड ने वित्तवर्ष 2023-24 में 28.61% वृद्धि के साथ 93.37 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया

अहमदाबाद, 16 मई, 20241 भारत की अग्रणी स्वास्थ्य सेवा कंपनियों में शुमार लिंकन फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड ने मार्च 2024 को समाप्त चौधी तिमाही और वित्त वर्ष 2023-24 के लिए उत्कृष्ट परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन हासिल किया है। कंपनी ने अपने लाभ मार्जिन को बेहतर बनाना जारी रखा है और वित्त वर्ष 2013 से 2024 तक लाभ विकास दर के स्तर पर मील का पत्थर हासिल किया है। मूल्य वर्धित उत्पादों के लिए केंद्रित विकास रणनीतियों व व्यवसाय विस्तार योजनाओं और नए बाजारों में विस्तार के साथ कंपनी वित्त वर्ष 2026 में 750 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य रख रही है। मार्च 2024 तक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भी कंपनी में अपनी हिस्सेदारी मार्च 2023 के स्तर 1.27% से बढ़ाकर 3.93% कर ली है।

वित्त वर्ष 2024 के दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2023 के मुकाबले वर्ष-दर-वर्ष 28.61% बढ़कर 93.37 करोड़ रुपए दर्ज किया गया।

वित्त वर्ष 2024 के दौरान कंपनी का ईबिटा वित्त वर्ष 2023 111.68 करोड़ रुपए के मुकाबले वर्ष- दर-वर्ष 20.28% बढ़कर 134.33 करोड़ रुपए दर्ज किया गया। वित्त वर्ष 2024 के दौरान कंपनी ने गत वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले परिचालन से राजस्व 15.43% वृद्धि के साथ 614.97 करोड़ रुपए दर्ज किया गया। वित्त वर्ष 2024 के लिए कंपनी ने प्रति शेयर 46.58 रुपए का ईपीएस अर्जित किया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 10 रुपए फेसवैल्यू प्रति शेयर पर 18% के साथ 1.80 रुपये लाभांश की अनुशंसा की है।

लिंकन फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री महेंद्र पटेल ने इस मौके पर कहा कि लिंकन ने अपने विकास पथ में उल्लेखनीय स्थिरता का प्रदर्शन किया है और वित्त वर्ष 2013 से वित्त वर्ष 2024 तक वर्ष दर वर्ष महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। कंपनी ने अपने मार्जिन में लगातार सुधार किया है और लगातार लाभ वृद्धि की सराहनीय उपलब्धि हासिल की है। अकेले वित्त वर्ष 2024 में, लिंकन ने सभी व्यावसायिक क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि के साथ अपनी गति बनाए रखी, जिसका परिणाम रहा कि कंपनी ने 93.37 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ और 134.33 करोड़ रुपए का ईबिटा दर्ज किया है।

भविष्य में कंपनी का ध्यान मौजूदा एक्यूट केयर लाइनअप के साथ-साथ जीवनशैली, क्रोनिक, महिला स्वास्थ्य देखभाल और त्वचाविज्ञान में पेशकश बढ़ाने पर है। लिंकन 1,700 से अधिक पंजीकृत उत्पादों के साथ एक मजबूत पोर्टफोलियो के माध्यम से नवाचार और विकास के प्रति अपने समर्पण को प्रदर्शित कर रहा है, जिसमें 700 से अधिक उत्पाद विकास के चरण में हैं।

इलेक्ट्रिकल सुपरवाइजर और वायरमैन की परीक्षा 20 से 23 मई 2024 के दौरान ली जाएगी

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्य के लाइसेंसिंग बोर्ड ने इलेक्ट्रिकल सुपरवाइजर और वायरमैन की परीक्षा 20 मई से 23 मई 2024 के दौरान आयोजित की है। इन परीक्षाओं को लेकर लाइसेंसिंग बोर्ड के सचिव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी की है। जिसमें कहा गया है कि सचिव-लाइसेंसिंग बोर्ड, उद्योग भवन, गांधीनगर के माध्यम से राज्य के विभिन्न केन्द्रों पर सुपरवाइजर और वायरमैन परीक्षा 20 मई 2024 से 23 मई 2024 तक आयोजित की जाएगी। जिसके लिए परीक्षा कार्यक्रम रोल नंबर के हिसाब से रखा गया है। परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्र उम्मीदवारों के नाम, रोल नंबर और साथ ही परीक्षा की विस्तृत समय सारणी इस विभाग की वेबसाइट https://ceiced.gujarat.gov.in पर उपलब्ध है।

सशक्त आर्थिक विकास के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है' ग्रोइंगटन वेंचर्स इंडिया लिमिटेड

मुंबई, 15 मई, 20241 सीए विक्रम बजाज द्वारा प्रवर्तित मुंबई स्थित बीएसई सूचीबद्ध कंपनी ग्रोइंगटन वेंचर्स इंडिया लिमिटेड (बीएसई - 539222) का लक्ष्य आने वाले समय में सशक्त आर्थिक विकास हासिल करना है। कंपनी ने दिसंबर 2023 को समाप्त वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही और नौमाही के लिए उत्कृष्ट वित्तीय परिणाम प्रस्तुत किए हैं।

वित्त वर्ष 2024 की नौमाही में कंपनी ने वित्त वर्ष 2023 की नौमाही में अर्जित 9.04 करोड़ रुपए के मुकाबले साल-दर- साल 163% की वृद्धि के साथ 23.81 करोड़ रुपए का कुल राजस्व अर्जित किया है। वित्त वर्ष 2024 की नौमाही के दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ साल-दर-साल 328% बढ़कर 1.75 करोड़ रुपये हो गया जो कि गत वर्ष की समान अवधि में 40.88 लाख रुपए था।

नवंबर 2023 में, कंपनी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म से बीएसई लिमिटेड के मैनबोर्ड में स्थानांतरित कर दिया गया। कंपनी को इसके लिए शेयरधारकों की मंजूरी भी मिल गई थी। कंपनी ने 15 जुलाई की चोर्ड बैठक में बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म से बीएसई लिमिटेड के

मैनबोर्ड में कंपनी के इक्विटी शेयरों की लिस्टिंग/ट्रेडिंग के माइग्रेशन को मंजूरी दे दी थी।

कंपनी ने इकिटी शेयर की फेसवैल्यू फुल्ली पेडअप 10 रुपये के मुकाबले फुल्ली पेडअप 1 रुपए कर 1 इक्विटी शेयर को 10 शेयरों में उप-विभाजित कर दिया, जैसा कि 17 जनवरी, 2024 को पोस्टल बैलेट के माध्यम से शेयरधारकों द्वारा अनुमत किया गया। कंपनी ने स्टॉक विभाजन के लिए रिकॉर्ड तिथि के रूप में 31 जनवरी, 2024 तय की थी।

वर्तमान वित्तीय वर्ष में कंपनी ने एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एलिमेंटर्स फूडस्टफ ट्रेडिंग एल.एल.सी., दुबई, यू.ए.ई. स्थापित की है। कंपनी तुर्की, वियतनाम और दक्षिण अफ्रीका से ताजे फलों की सोर्सिंग में लगी हुई है एवं 2024 की पहली तिमाही से कंपनी ने ड्रैगन फ्रूट्स, नारियल, अमरूद, नींबू और अन्य कृषि उत्पादों की नियमित आपूर्ति के लिए वियतनाम स्थित कृषि कमोडिटी कंपनी के साथ व्यवस्था और गठजोड़ किया है।

कंपनी के पास सेब, संतरा, मंदारिन, नाशपाती, कीवी, ड्रैगन फ्रूट, एवोकैडो, रेड ग्लोब अंगूर, बेर, नेक्टराइन, आऊ, चेरी, ब्लूबेरी, अंगूर फल, मैंगोस्टीन, राम भूटान, लोंगन, खजूर, इमली, खजूर इत्यादि जैसे फलों का विस्तृत पोर्टफोलियो है। देश के लोगों में स्वास्थ्य जागरूकता और जीवन शैली को ध्यान में रखते हुए एवोकैडो, ब्लूबेरी और ड्रैगन फल जैसे विभिन्न प्रकार के आयातित फलों की मांग बढ़ गई है। कंपनी ने देश के भीतर और बाहर एक अत्यधिक सक्षम, मजबूत खरीद और वितरण सहायता टीम बनाई है।

जनवरी 2024 में, कंपनी ने रेजोल्यूशन जारी किया और देबोस्मिता कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, फास्टव्हील रोडलाइन्स प्राइवेट लिमिटेड, फॉरवर्ड कैरियर्स प्राइवेट लिमिटेड, श्रीजिता कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, करुणांजलि ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ यादुका एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड के समामेलन की योजना के लिए अपने देनदार यादुका एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड को अपनी सहमति दी है।

क्या आपकी शादी गर्मियों में हो रही है, तो प्लेटिनम लव बैंड्स के साथ स्टाईल से बोलें 'आई डू'!

मई, 2024: गर्मियों में शादियों का मौसम शुरू हो रहा है, और इंगेज़मेंट रिंग के लिए अपनी पसंदीदा सेलिब्रिटी से प्रेरणा लेने का समय आ गया है। पूरी दुनिया में सेलिब्रिटीज़ अपनी शादी के क्षणों को यादगार बनाने के लिए लंबे समय से प्लेटिनम से बनी इंगेज़मेंट रिंग पसंद करते आए हैं क्योंकि यह प्राकृतिक सफेद मैटल सुंदरता, टिकाऊपन के साथ टाईमलेस आकर्षण प्रदान करता है। सर्वोच्च अभिनेताओं से लेकर संगीत के दिग्गजों तक इन सभी सेलिब्रिटीज़ ने प्रतिबद्धता के सर्वोत्तम प्रतीक के रूप में प्लेटिनम को चुनकर एक ऐसा ट्रेंड शुरू कर दिया, जो पूरी दुनिया में युगलों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।प्लेटिनम 95 प्रतिशत शुद्ध है। यह काफी टिकाऊ होने के साथ बहुत ही ज्यादा घनत्व रखता है। इसलिए यह अपनी चमक खोए बिना बहुत लंबे समय तक एक सी सुंदरता बरकरार रखता है। ज्यादा मजबूत होने के कारण यह डायमंड्स और जेमस्टोन के लिए शानदार सैटिंग प्रदान करता है, और एक मजबूत पकड़ के साथ उनकी चमक को बढ़ाता है। बहुमूल्य जेमस्टोंस को सुरक्षित और मजबूत पकड़ प्रदान करने और बहुमुखी उपयोग के लिए उपयुक्त होने के कारण अग्रणी डिज़ाईनर और ज्वेलरी ब्रांड, जैसे कार्टियर, हैरी विंस्टन, टाईफेनी एंड कं. और फ्रेड लीटन आदि प्लेटिनम में ज्वेलरी बनाना पसंद करते हैं।

इंडियास्किल्स प्रतियोगिता 2024शुरू हुई, 61 ट्रेडों में 900 से अधिक उम्मीदवार ले रहे हैंभाग

नई दिल्ली, 15 मई, 2024: कौशल के सबसे ऊँचे मानकों को प्रदर्शित करने के लिए डिज़ाइन की गई, देश की सबसे बड़ी कौशल प्रतियोगिता, 'इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2024' आज शुरू हुई और यह 19 मई 2024 तक चलेगी। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) द्वारा यशोभूमि, द्वारका में आयोजित उद्घाटन समारोह में 30 से अधिक राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 900 से अधिक उम्मीदवारों और 400 से अधिक इन्डस्ट्री एक्सपर्ट की भागीदारी देखी गई।

इस उद्घाटन समारोह में एमएसडीई के सचिव श्री अतुल कुमार तिवारी, एमएसडीई के सीनियर इकोनोमिक एडवाइज़र श्री नीलांबुज शरण, एमएसडीई की डीजी ट्रेनिंग श्रीमती त्रिशालजीत सेठी, एमएसडीई की ज्वाइन्ट सेक्रेटरी श्रीमती सोनल मिश्रा, एमएसडीई की ज्वाइन्ट सेक्रेटरी श्रीमती हेना उस्मान, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के ऑफिशिएटिंगसीईओ श्री वेद मणि तिवारी उपस्थित रहे।प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी राज्यों ने अपनी टीमों और सांस्कृतिक प्रवासियों का भी प्रदर्शन किया। इसके बाद एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ जहां दर्शकों ने देश भर के विभिन्न नृत्यों के रूपों को भी देखा।

पोरबंदर-मुंबई सेंट्रल-पोरबंदर सौराष्ट्र एक्सप्रेस के समय में संशोधन तथा टर्मिनल में बदलाव

पोरबंदर यार्ड में पिट लाइन ब्लॉक के पूरा होने के मद्देनजर राजकोट मंडल से होकर जाने वाली ट्रेन संख्या 19016 पोरबंदर-मुंबई सेंट्रल और ट्रेन संख्या 19015 मुंबई सेंट्रल-पोरबंदर सौराष्ट्र एक्सप्रेस के ओरिजिनेटिंग/टर्मिनेटिंग स्टेशन को मुंबई सेन्ट्रल की बजाय दादर स्टेशन में बदला जा रहा है। आगामी सूचना तक टर्मिनल को अस्थायी तौर पर मुंबई सेंट्रल से दादर में परिवर्तित किया जा रहा है। टर्मिनल में परिवर्तन के कारण ट्रेन के समय में भी संशोधन किया गया है। इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

1) ट्रेन संख्या 19016 पोरबंदर-दादर सौराष्ट्र एक्सप्रेस 19.20 बजे दादर में टर्मिनेट होगी। यह परिवर्तन 20 मई, 2024 से प्रभावी होगा। अन्य ठहराव के समय में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

2) ट्रेन संख्या 19015 दादर-पोरबंदर सौराष्ट्र एक्सप्रेस 09.30 बजे दादर से प्रस्थान करेगी। यह परिवर्तन 22 मई, 2024 से प्रभावी होगा। अन्य ठहराव के समय में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

उपर्युक्त ट्रेनों के ठहराव के समय के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे

अनुरक्षण कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400008, ई-निविदा सूचना संख्या: बीसीटी/24-25/36 दिनांक आमंत्रित करते हैं। 14.05.2024. कार्य और स्थान: उकाई सोनघाड-जलगांव खंड: एसएसई (पावे) सिंदखेड़ा के तहत यूपी/डीएन लाइन के लिए 01 वर्ष (2024-25) की अवधि के लिए पी-वे का रखरखाव (कुल 45.051 किलोमीटर)। लगभग। कार्य की लागत: 2,76,09,967.50. ईएमडी: 2,88,100/-। जमा करने की तिथि और समय: 11.06.2024, 15:00 बजे तक। खुलने की तिथि और समय: 11.06.2024 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0148

हमें यहां लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95